वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 317 मंगलवार 21 अप्रैल 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में जन आक्रोश महिला सम्मेलन

महिला आरक्षण संशोधन विधेयक का विरोध करना विपक्ष को भारी पड़ेगा: भजनलाल

डबल इंजन की सरकार अपनी माताओं और बहनों के उत्थान और कल्याण के लिए निरंतर काम कर रही

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने संसद में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक गिराए जाने को लेकर विपक्ष पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आधी आबादी के हक का विरोध करना विपक्ष को बहुत भारी पड़ेगा। जयपुर में जन आक्रोश महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए सीएम भजन लाल शर्मा ने कहा, मैं विपक्ष से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने महिलाओं के लिए क्या किया। उन्होंने सिर्फ वोट की राजनीति की। जब महिलाओं को मौका देने का समय आया, तो वे उन्हें मौका भी नहीं दे पाए। उन्होंने कहा कि चाहे हमारी राज्य सरकार हो या केंद्र सरकार, हम अपनी माताओं और बहनों के उत्थान और कल्याण के लिए निरंतर काम कर रहे हैं, लेकिन 2047 तक विकसित भारत का हमारा सपना हमारी माताओं और बहनों के बिना पूरा नहीं हो सकता। हमारी सरकार आधी आबादी को आगे लाना चाहती है। दुख की बात है कि विपक्ष ऐसा नहीं सोचता।

मातृशक्ति का आशीर्वाद ही हमारी असली ताकत

भजनलाल शर्मा ने परिवारवाद पर निशाना साधते हुए कहा कि हमारी संस्कृति और विचारधारा में माताओं-बहनों को पूजनीय माना गया है। ये परिवारवादी लोग हैं। इन्हें डर लगता है कि जब आम घरों की बहनें आगे आएंगी, तो परिवारवादियों का क्या होगा। कांग्रेस, टीएमसी और सपा परिवार को लेकर चलने वाली पार्टियां हैं, जबकि भाजपा सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है। सीएम ने कहा कि नारी शक्ति का अपमान करना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाए गए महिला आरक्षण संशोधन विधेयक का विरोध करना विपक्ष को बहुत भारी पड़ेगा। इन परिवारवादी पार्टियों को नारी शक्ति आने वाले हर चुनाव में सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति का आशीर्वाद ही हमारी असली ताकत है। हम संकल्पबद्ध हैं कि हर बहन-बेटी को उसका मान, सम्मान और अधिकार दिलाकर रहेंगे। राजस्थान भाजपा की ओर से कहा गया कि महिलाओं के अधिकार सुनिश्चित करने के साथ-साथ किसी भी राज्य के अधिकारों से समझौता किए बिना लोकसभा की सीटों को 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव रखा गया था, ताकि अतिरिक्त सीटों के माध्यम से 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जा सके।

भाजपा महिला कार्यकर्ताओं ने जन आक्रोश पदयात्रा निकाली

लोकसभा में महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को सपोर्ट नहीं करने पर भाजपा ने सोमवार को विपक्ष के खिलाफ प्रदर्शन किया। भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं ने जन आक्रोश पदयात्रा निकाली। पदयात्रा को पुलिस ने कमिश्नरेट के सामने बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इस पर महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा ने बैरिकेड्स पर चढ़कर हंगामा कर दिया। इससे पहले भाजपा ऑफिस में सभा का आयोजन किया गया था। इसके बाद भाजपा कार्यालय से शहीद स्मारक के लिए सीएम भजनलाल शर्मा और डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने रवाना किया था। सभा में डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने कहा कि इन्होंने आपका हक छीना है। इन्हें आपका वोट मांगने का भी अधिकार नहीं है।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने घायलों की थामी कलाई

हादसे के बाद एक्शन में स्पीकर वासुदेव देवनानी: अस्पताल के बेड तक पहुंचे, प्रशासन को दिए उच्चस्तरीय उपचार के निर्देश

अजमेर/जयपुर. शाबाश इंडिया

तीर्थराज पुष्कर की ओर जाने वाली दुर्गम पुष्कर घाटी में रविवार को हुआ भीषण बस हादसा क्षेत्र के लिए एक गहरा जख्म छोड़ गया है। ढलान और तीखे मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलटी बस में सवार यात्रियों के लिए रविवार की वह शाम किसी दुःस्वप्न से कम नहीं थी। इस हृदयविदारक घटना पर संवेदनशीलता दिखाते हुए राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मोर्चा संभाला है। सोमवार सुबह देवनानी ने न केवल प्रशासनिक स्तर पर स्थिति की समीक्षा की, बल्कि स्वयं अस्पताल पहुंचकर पीड़ितों का संबल बने। जैसे ही रविवार देर शाम पुष्कर घाटी में बस हादसे की सूचना मिली, पूरा प्रशासनिक अमला अलर्ट मोड पर आ गया। विधानसभा

अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने घटना की जानकारी मिलते ही देर रात से ही मोर्चा संभाल लिया था। सोमवार सुबह उन्होंने जिला कलक्टर, पुलिस अधीक्षक और मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल से दूरभाष पर विस्तृत चर्चा की। देवनानी ने बिंदुवार जानकारी ली कि हादसे के समय बचाव कार्य कितनी तेजी से चला, एम्बुलेंस की उपलब्धता क्या थी और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में कितना समय लगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे समय में 'गोल्डन ऑवर' (हादसे के तुरंत बाद का समय) में मिली मदद ही जान बचाने में सहायक होती है। सोमवार को विधानसभा अध्यक्ष सीधे अजमेर के जेएलएन अस्पताल पहुंचे। वहां उन्होंने ट्रॉमा वार्ड और आईसीयू में भर्ती प्रत्येक घायल से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। देवनानी केवल औपचारिकता निभाने नहीं पहुंचे थे, बल्कि उन्होंने हर मरीज के पास बैठकर हादसे की आपबीती सुनी और उनके जख्मों की गंभीरता को देखा। घायलों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल थीं, जिन्हें ढांढस बंधाते हुए उन्होंने कहा, आप अकेले नहीं हैं, पूरी सरकार और प्रशासन आपकी देखभाल के लिए खड़ा है।

निःशुल्क नेत्र शिविर में 217 मरीजों की जांच, 151 को चश्मे वितरित

जयपुर. शाबाश इंडिया

शेखावाटी अग्रवाल समाज संस्था के बैनर तले एवं संजय एंड ज्योति अग्रवाल फाउंडेशन के सौजन्य से 158वां निःशुल्क लेंस प्रत्यारोपण शिविर रविवार को विद्याधर नगर सेक्टर 7 स्थित महाराजा अग्रसेन हॉस्पिटल में आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान कुल 217 मरीजों की आंखों की जांच की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने प्रत्येक मरीज की सावधानीपूर्वक जांच कर आवश्यक परामर्श प्रदान किया। इसके साथ ही 151 जरूरतमंद व्यक्तियों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए, जिससे उन्हें दैनिक जीवन में दृष्टि संबंधी समस्याओं से राहत मिल सके। जांच के उपरांत 23 मरीजों का चयन लेंस प्रत्यारोपण (ऑपरेशन) के लिए किया गया, जिनका आगामी दिनों में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। इस प्रकार शिविर ने न केवल जांच, बल्कि उपचार की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्ग तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। निरंतर आयोजित किए जा रहे इन शिविरों से सैकड़ों लोगों को लाभ मिल रहा है और यह सेवा कार्य आगे भी जारी रहेगा। इस अवसर पर संस्था के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें नथमल बंसल, सुरेश अग्रवाल, अरुण काबरा, रामसुंदर जयपुरिया, विश्वास गोयल, सुरेश सिंगडोदिया, जयप्रकाश सुरेका, नाथूराम बिजाका, गोपाल अग्रवाल, रामानंद मोदी, दिलीप अग्रवाल, दिनेश कुमार टेकरीवाल, विशाल चमड़िया, शिवकुमार जालान, अनिल शर्मा, मुकेश बंसल, महेश शर्मा और राजेंद्र सिंह शामिल रहे। सभी उपस्थित सदस्यों ने शिविर के सफल आयोजन में सहयोग दिया और समाज सेवा के इस कार्य को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

अक्षय तृतीया महोत्सव पर श्रद्धालुओं ने राजा श्रेयांस की परंपरा निभाई, किया आहार दान

निवाई. शाबाश इंडिया

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर निवाई शहर में आचार्य इन्द्रनंदी महाराज संघ के सानिध्य में सभी दिगंबर जैन मंदिरों में भक्ति, आस्था और परंपरा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आचार्य श्री को निअन्तराय आहार चर्या करवाते हुए पुण्य लाभ अर्जित किया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि अक्षय तृतीया महोत्सव पर श्रद्धालुओं ने राजा श्रेयांस की परंपरा का अनुसरण करते हुए आहार दान किया। भगवान आदिनाथ को इक्षुरस (गन्ने का रस) अर्पित कर इस ऐतिहासिक परंपरा को श्रद्धापूर्वक निभाया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत श्री दिगंबर जैन अग्रवाल समाज के अध्यक्ष विष्णु बोहरा, गोपाललाल शंभु कठमाणा, सुरेश कुमार माधोराजपुरा, नवरत्न टोंग्या, रामपाल चंवरिया एवं महेंद्र चंवरिया द्वारा भगवान आदिनाथ के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ की गई। मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं को आचार्य श्री की आहार चर्या करवाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस दौरान शिविरार्थियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की गई, जिसका लाभ विष्णु कुमार, राहुल कुमार, ममता जैन एवं पूजा जैन बोहरा परिवार के सहयोग से संभव हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान आदिनाथ एवं भगवान शांतिनाथ की विधिवत पूजा-अर्चना कर धार्मिक वातावरण को और अधिक पवित्र बनाया। बड़े जैन मंदिर में भी अक्षय तृतीया महोत्सव के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें नवीन जैन, अतुल ठोलिया सहित कई श्रद्धालुओं ने भगवान आदिनाथ एवं भगवान पार्श्वनाथ का अभिषेक और शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त किया। इस अवसर पर पंडितजी के निर्देशन में आदिनाथ मंडल विधान का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं को जैन धर्म के सिद्धांतों से परिचित कराया गया तथा बालबोध के माध्यम से धार्मिक शिक्षा प्रदान की गई। इसी क्रम में बंपुई वालों के चेत्यालय में सरावगी समाज की महिला अध्यक्ष अनिता छाबड़ा एवं जिला मंत्री विजया टोंग्या के नेतृत्व में महोत्सव मनाया गया। यहां भगवान आदिनाथ एवं भगवान चंद्रप्रभु के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, जयपुर का "सम्पर्क, संवाद-सलाह कार्यक्रम" संपन्न, 70 रोगियों को मिला परामर्श

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। भीलवाड़ा के स्वाध्याय भवन में फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, जयपुर एवं श्री बाहुबली जैन वेलफेयर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में ''सम्पर्क, संवाद-सलाह कार्यक्रम'' सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के दौरान कुल 102 रोगियों का पंजीकरण किया गया, जिनमें से 70 मरीजों की जांच कर उन्हें विशेषज्ञ परामर्श प्रदान किया गया। सोसायटी के अध्यक्ष सुरेंद्र छाबड़ा ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इसका मुख्य लक्ष्य आमजन को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और जागरूकता से जोड़ना है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अनूप झूरानी, सीनियर डायरेक्टर (रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी), फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हॉस्पिटल, जयपुर रहे। उन्होंने स्क्रीन प्रस्तुति के माध्यम से रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी, आर्थराइटिस और उससे संबंधित समस्याओं एवं उनके समाधान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. झूरानी ने घुटने एवं कूल्हे के दर्द, आर्थराइटिस, आधुनिक सर्जरी तकनीकों और उपचार विकल्पों पर सरल एवं व्यावहारिक जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर इन समस्याओं से काफी हद तक बचा जा सकता है। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वजन नियंत्रित रखें, नियमित रूप से सक्रिय रहें, शराब एवं धूम्रपान से दूर रहें तथा किसी भी चोट का समय पर उपचार कराएं। साथ ही कैल्शियम और विटामिन का पर्याप्त सेवन करने पर भी जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से मधुमेह (शुगर) और उच्च रक्तचाप के मरीजों को इनका संतुलन बनाए रखने की सलाह दी, क्योंकि इनके बढ़ने से घुटने संबंधी समस्याओं में जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ हुई। इस अवसर पर डॉ. अनूप झूरानी, डॉ. अभिषेक, प्रतिनिधि संजय अग्रवाल तथा दिगंबर जैन समाज ट्रस्ट स्वाध्याय भवन के अध्यक्ष सोहनलाल गंगवाल का माल्यार्पण एवं पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीरज जैन ने किया, जबकि सोसायटी के सचिव राजकुमार चौधरी ने सभी सहयोगियों एवं उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

त्रिवेणी नगर दिगंबर जैन महिला मंडल के चुनाव सम्पन्न, नई कार्यकारिणी घोषित

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन महिला मंडल, त्रिवेणी नगर (गोपालपुरा बाईपास) के वर्ष 2026 के चुनाव सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। चुनाव प्रक्रिया मुख्य निर्वाचन अधिकारी महेंद्र कुमार जैन एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी विनय पाटनी के निर्देशन में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। निर्वाचन अधिकारियों ने परिणाम घोषित करते हुए बताया कि अध्यक्ष पद पर श्रीमती शिमला पापड़ीवाल निर्वाचित हुई हैं। उपाध्यक्ष पद पर मृदुला काला, मंत्री पद पर बबीता लुहाड़िया, संयुक्त मंत्री पद पर मनोरमा चांदवाड़ तथा कोषाध्यक्ष पद पर मैना पाटनी को चुना गया। सांस्कृतिक मंत्री के रूप में वंदना अजमेरा को जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए अंजू अजमेरा, आशा बज, एकता पांड्या, मीनू रारा, निरंजना जैन, नीतू जैन, सीमा बाकलीवाल, सुनीता कासलीवाल एवं उर्मिला छाबड़ा को निर्वाचित घोषित किया गया। इस अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष महेंद्र काला, मंत्री शैलेन्द्र जैन, महावीर कासलीवाल, राकेश छाबड़ा, नरेश कासलीवाल, कैलाश सौगानी, लोकेश जैन, जितेन्द्र कासलीवाल, अंकुर पाटोदी, विपिन सेठ, अशोक पापड़ीवाल, कमल चांदवाड़, भागचंद पाटनी, राजेंद्र पाटनी,

सुनील लुहाड़िया, महेंद्र जैन, प्रशांत अजमेरा, गौरव जैन, संजय सोगानी, विजय पांड्या, सचिन काला, आभा पांड्या एवं मनीषा जैन सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद त्रिवेणी नगर जैन समाज के सदस्यों ने सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि नई कार्यकारिणी महिला मंडल की गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाएगी तथा सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएगी।

नरेश कासलीवाल: प्रचार संयोजक, अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन परिषद, राजस्थान प्रांत
मोबाइल: 9462191401

संघीजी सांगानेर में अक्षय तृतीया पर दान दिवस उत्सव, विविध धार्मिक अनुष्ठान संपन्न

सांगानेर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र मंदिर, संघीजी सांगानेर में अक्षय तृतीया (दान दिवस) का पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। यह अवसर सभी श्रद्धालुओं के लिए सौभाग्य और हर्ष का विषय रहा। कार्यक्रम संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री 108 सुधासागरजी महाराज के पावन आशीर्वाद से संपन्न हुआ। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (सांगानेर वाले बाबा) की तपचर्या के अनुसार यह पर्व उस ऐतिहासिक क्षण की स्मृति में मनाया जाता है, जब छह माह के कठोर तप के बाद भगवान को प्रथम आहार प्राप्त हुआ था। इस अवसर पर विद्वान पंडित नवीन जैन के सानिध्य में श्री ऋषभजी, उज्ज्वलजी, पारसजी एवं सरोजजी जैन (किशनगढ़) परिवार ने श्रीजी के प्रथम कलश का सौभाग्य प्राप्त किया। इसके बाद सभी श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से अपने-अपने कलशों द्वारा महामस्तकाभिषेक कर भगवान आदिनाथ का पारणा दिवस मनाया। मंदिर परिसर में भक्तिभाव और आध्यात्मिक ऊर्जा का विशेष वातावरण बना रहा। दान दिवस के इस पावन अवसर पर दिगंबर जैन श्रेष्ठी प्रतीक जैन एवं नीरज जैन (केकड़ीवाले, आदिनाथ डिस्पोजल) द्वारा मंदिर परिसर में इक्षुरस (गन्ने का रस) का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य के लिए प्रबंधकारिणी समिति ने उनकी हार्दिक अनुमोदना व्यक्त की और इसे अक्षय पुण्य का कार्य बताया। अध्यक्ष महावीर प्रसाद बज एवं मानद मंत्री राकेश कुमार जैन ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत भगवान आदिनाथ का कलशाभिषेक एवं भक्तामर विधान मधुर संगीत के साथ अत्यंत श्रद्धा और भक्ति से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री सुधासागर नवयुवक मंडल एवं श्री विद्यासागर महिला मंडल, सांगानेर के सहयोग से हुआ। प्रबंधकारिणी समिति ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी परिवारों एवं बाहर से पधारे श्रेष्ठिजनों का सम्मान कर आभार व्यक्त किया। अक्षय तृतीया के इस धार्मिक आयोजन ने न केवल आस्था को सुदृढ़ किया, बल्कि दान, सेवा और परंपरा के महत्व को भी पुनः उजागर किया।

निवेदक: महावीर प्रसाद बज (अध्यक्ष)
राकेश कुमार जैन (मानद मंत्री)

राजनीति

युद्ध नहीं, संवाद ही समाधान

कांतिलाल मांडोत

मिडिल ईस्ट एक बार फिर उस दोराहे पर खड़ा है, जहां एक रास्ता कूटनीतिक स्थिरता की ओर जाता है, तो दूसरा विनाशकारी संघर्ष और वैश्विक अस्थिरता की ओर। संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच दशकों पुराना तनाव अब एक निर्णायक मोड़ पर है। कूटनीतिक गलियारों में चर्चा है कि परमाणु मुद्दे को सुलझाने के लिए इस्लामाबाद में वार्ता का नया दौर शुरू हो सकता है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि शेष है, लेकिन बढ़ती हलचल संकेत दे रही है कि पर्दे के पीछे समाधान के गंभीर प्रयास जारी हैं। यह विवाद मात्र दो देशों का द्विपक्षीय मुद्दा नहीं है; इसके प्रभाव वैश्विक हैं। ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे विषय सीधे तौर पर इस तनाव से प्रभावित होते हैं। जब मुद्दा 'एनरिच्ड यूरेनियम' और परमाणु कार्यक्रम का हो, तो यह केवल रणनीतिक बढ़त का सवाल नहीं रह जाता, बल्कि पूरी मानवता की सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती बन जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों ने इस स्थिति को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। उनका स्पष्ट कहना कि अमेरिका किसी भी कीमत पर ईरान के उच्च संवर्धित यूरेनियम को हासिल करेगा, केवल एक कूटनीतिक चेतावनी नहीं बल्कि संभावित सैन्य कार्रवाई का संकेत भी माना जा रहा है। ट्रंप ने यह भी इशारा किया है कि यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई ठोस समझौता नहीं हुआ, तो वर्तमान संघर्ष विराम समाप्त हो सकता है। दूसरी ओर, ईरान का रुख भी उतना ही सख्त है। वह अपने परमाणु कार्यक्रम को राष्ट्रीय संप्रभुता और सुरक्षा का अभिन्न हिस्सा मानता है। ईरान का दावा है कि उसका कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है, किंतु अमेरिका और उसके सहयोगी इसे संदेह की दृष्टि से देखते हैं। यही गहरा अविश्वास इस जटिल विवाद की जड़ है, जिसने वर्षों से किसी भी स्थायी समाधान की राह रोक रखी है। इस तनाव का सबसे चिंताजनक पहलू 'होर्मुज जलडमरूमध्य' से जुड़ा है। यह विश्व का सबसे महत्वपूर्ण तेल परिवहन मार्ग है। इस क्षेत्र में अस्थिरता का सीधा अर्थ है वैश्विक तेल आपूर्ति में बाधा और कीमतों में भारी उछाल। हालिया अनिश्चितता के कारण कई जहाजों ने अपने मार्ग बदले हैं, जिसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। यदि स्थिति बिगड़ती है, तो इसका खामियाजा विकासशील देशों से लेकर विकसित देशों तक सबको भुगतना होगा।

संपादकीय

आस्था, सुरक्षा और विकास का संगम

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर देवभूमि उत्तराखंड में चारधाम यात्रा 2026 का विधिवत शुभारंभ हो गया है। 19 अप्रैल को यमुनोत्री धाम और गंगोत्री धाम के कपाट खुलते ही हजारों श्रद्धालु पवित्र यात्रा पर निकल पड़े हैं। आगामी दिनों में केदारनाथ धाम 22 अप्रैल को तथा बद्रीनाथ धाम 23 अप्रैल को खुलेंगे। यह यात्रा केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि भारतीय आस्था, संस्कृति और सामूहिक विश्वास का जीवंत प्रतीक है।

चारधाम यात्राः यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ हिमालय की गोद में स्थित चार पवित्र स्थलों की परिक्रमा है, जिसे मोक्ष की कामना से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान माना जाता है। यमुनोत्री मां यमुना की आराधना का केंद्र है, गंगोत्री मां गंगा का उद्गम स्थल, केदारनाथ भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक और बद्रीनाथ भगवान विष्णु का प्रमुख धाम है। कठिन पर्वतीय मार्ग, ऊंचाई और मौसम की चुनौतियों के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था उन्हें इस दिव्य यात्रा के लिए प्रेरित करती है। इस वर्ष यात्रा का शुभारंभ अक्षय तृतीया जैसे पुण्यदायी पर्व पर होना इसे और भी विशेष बनाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन किए गए पुण्य कार्य अक्षय होते हैं, अर्थात उनका फल कभी समाप्त नहीं होता। यही कारण है कि बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस शुभ अवसर पर यात्रा आरंभ करना श्रेष्ठ मानते हैं। राज्य सरकार ने यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी स्वयं व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। सड़क मार्गों का सुधार, पुलों का निर्माण, हेलीकॉप्टर सेवाओं का विस्तार, चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता और ऑनलाइन पंजीकरण प्रणाली को सुदृढ़ किया गया है। बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन द्वारा कई मार्गों को चौड़ा और मजबूत किया गया है, जिससे यात्रा पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित बनी है। आर्थिक दृष्टि से चारधाम यात्रा उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानी जाती है। लाखों श्रद्धालुओं के आगमन से होटल व्यवसाय, परिवहन सेवाएं, स्थानीय बाजार, पंडे-पुरोहित और हस्तशिल्प से जुड़े लोगों को रोजगार मिलता है। अनुमान है कि इस वर्ष 40 से 50 लाख तक यात्री यात्रा में शामिल हो सकते हैं, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को बड़ा संबल मिलेगा। हेलीकॉप्टर सेवाओं के विस्तार से बुजुर्ग और दिव्यांग यात्रियों के लिए यात्रा अधिक सुलभ हुई है, जबकि सामान्य यात्रियों के लिए भी सुविधाएं बेहतर की गई हैं। हालांकि, यह यात्रा कई चुनौतियों से भी जुड़ी हुई है। ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी, मौसम की अनिश्चितता, भूस्खलन और अत्यधिक ठंड जैसी परिस्थितियां यात्रियों के लिए कठिनाई उत्पन्न कर सकती हैं। इन जोखिमों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने स्वास्थ्य सुरक्षा पर विशेष जोर दिया है। 55 वर्ष से अधिक आयु के यात्रियों के लिए मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट अनिवार्य किया गया है तथा हर प्रमुख पड़ाव पर चिकित्सा शिविर स्थापित किए गए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता मिल सके।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता का उदय

विनोद कुमार सिंह

भारत की विकास यात्रा में कुछ ऐसे ऐतिहासिक क्षण आते हैं, जब कोई पहल केवल एक परियोजना नहीं रहती, बल्कि वह राष्ट्र के भविष्य की दिशा तय करने वाली शक्ति बन जाती है। 19 अप्रैल 2026 को भुवनेश्वर में देश की पहली काँच आधारित उन्नत त्रि-आयामी सेमीकंडक्टर पैकेजिंग इकाई के शिलान्यास के साथ ऐसा ही एक महत्वपूर्ण अध्याय प्रारंभ हुआ। यह पहल आत्मनिर्भर भारत के उस विजन को साकार करती है, जिसमें तकनीक, नवाचार और राष्ट्रीय संकल्प का संगम दिखाई देता है। आज का युग डिजिटल प्रौद्योगिकी का युग है और इसके केंद्र में सेमीकंडक्टर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मोबाइल फोन, कंप्यूटर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष मिशन और रक्षा प्रणाली—सभी का आधार यही तकनीक है। ऐसे में भारत का इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक नेतृत्व के लिए भी आवश्यक है। भुवनेश्वर की यह इकाई इसी व्यापक सोच का परिणाम है। इस अवसर पर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव का उद्बोधन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत अब केवल सेमीकंडक्टर का उपभोक्ता नहीं रहेगा, बल्कि निर्माण और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। कांच आधारित त्रि-आयामी पैकेजिंग तकनीक को उन्होंने परिवर्तनकारी बताते हुए कहा कि यह उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, दूरसंचार और रक्षा क्षेत्रों में नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माँझी ने भी राज्य की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि ओडिशा निवेश और तकनीकी विकास के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह परियोजना राज्य को वैश्विक तकनीकी मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगी। लगभग 1,943 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित हो रही यह परियोजना भारत की पहली काँच सब्सट्रेट आधारित उन्नत सेमीकंडक्टर पैकेजिंग सुविधा है। इसमें केंद्र सरकार का लगभग 799 करोड़ रुपये और राज्य सरकार का लगभग 399 करोड़ रुपये का योगदान है। यह परियोजना लगभग 2,500 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित करेगी और देश के युवाओं को उच्च तकनीकी क्षेत्र में अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करेगी। तकनीकी दृष्टि से यह पहल अत्यंत महत्वपूर्ण है। कांच आधारित पैकेजिंग पारंपरिक सिलिकॉन प्रणालियों की तुलना में अधिक ऊर्जा-कुशल, विश्वसनीय और उच्च प्रदर्शन वाली मानी जाती है। बेहतर सिग्नल गुणवत्ता, तापीय स्थिरता और कम ऊर्जा हानि जैसी विशेषताएं इसे भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाती हैं। इस परियोजना की एक विशेषता इसकी एकीकृत संरचना भी है, जिसमें काँच पैनल निर्माण, चिप असेंबली और उन्नत पैकेजिंग एक ही परिसर में होंगे। इससे उत्पादन दक्षता बढ़ेगी और लागत नियंत्रण बेहतर होगा। उत्पादन 2028 तक शुरू होने और 2030 तक पूर्ण क्षमता प्राप्त करने की योजना है। वैश्विक स्तर पर भी इस परियोजना को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, जिससे भारत के सेमीकंडक्टर उद्योग में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनने की संभावना और मजबूत हुई है। संक्षेप में, भुवनेश्वर की यह इकाई भारत के तकनीकी आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव है। यह पहल उस नए भारत की पहचान है, जो न केवल सपने देखता है, बल्कि उन्हें साकार करने की क्षमता भी रखता है।

सामाजिक समरसता और विकसित भारत के निर्माण का लिया संकल्प

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान कच्ची बस्ती महासंघ के फाउंडर वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं भाजपा कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. ओपी टांक अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा से मिले। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते हुए ज्वलंत मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की और उनके समाधान की मांग रखी। इससे पूर्व प्रतिनिधिमंडल ने अंबेडकर सर्किल पहुंचकर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनों ने उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष निहालचंद मेघवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष अमित गोयल, विधायक गोपाल शर्मा, जिला महामंत्री रेखा राठौड़, राजेश तांबी, नवरत्न नाराणिया, अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश किराड़, प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी हेमराज खींची, मंडल अध्यक्ष गजानंद खींची, पूर्व मंडल अध्यक्ष गोविंद खोड़ा, अशोक शर्मा, अरुण गोवलिया और भवानी शंकर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी वरिष्ठजनों और कार्यकर्ताओं ने सामाजिक समरसता, समानता और मानवतावादी विचारों को अपनाने का संकल्प लिया। साथ ही, एक सशक्त, समावेशी और विकसित भारत के निर्माण के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम ने न केवल जनसमस्याओं के समाधान की दिशा में पहल की, बल्कि समाज में एकता, सहयोग और सकारात्मक सोच को भी सुदृढ़ करने का संदेश दिया।

अक्षय तृतीया पर भगवान ऋषभदेव की पूजा के बाद श्रद्धालुओं को कराया गया इक्षुरस पान

सनावद. शाबाश इंडिया

जैन समाज में अक्षय तृतीया का पावन पर्व रविवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर के विभिन्न जैन मंदिरों में भगवान ऋषभदेव स्वामी की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की गई और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए। श्री सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में कमलेश भूच, प्रियम जैन, शैलेन्द्र जैन, संतोष बाकलीवाल एवं शौर्यम जैन ने जलाभिषेक एवं शांतिधारा कर भगवान ऋषभदेव की विशेष पूजा की। वहीं आदिनाथ जिनालय में आदिनाथ मंडल विधान का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। डॉ. नरेन्द्र जैन भारती ने जानकारी देते हुए बताया कि जैन परंपरा के अनुसार प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव ने हस्तिनापुर में इक्षुरस (गन्ने का रस) का प्रथम आहार ग्रहण किया था। इसी कारण अक्षय तृतीया को दान दिवस के रूप में भी मनाया जाता है और इस दिन आहारदान का विशेष महत्व होता है। श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति की अध्यक्ष श्रीमती संध्या पंचोलिया ने बताया कि श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में पूजन के पश्चात सुनील पंचोलिया के निवास पर महिलाओं द्वारा विशेष पूजन किया गया। इसके बाद समाजजनों को इक्षुरस का पान कराया गया, जिससे सभी ने इस परंपरा का पालन करते हुए पुण्य लाभ अर्जित किया। इस आयोजन में मंजुला भूच, संगीता बाकलीवाल, कमलेश भूच सहित अन्य महिलाओं का विशेष सहयोग रहा। बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर अक्षय तृतीया के इस पावन पर्व को श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि समाज में दान, सेवा और परंपरा के महत्व को भी पुनः स्थापित करने वाला रहा।

भगवान आदिनाथ के आहारदान की परंपरा का भव्य आयोजन

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान 1008 आदिनाथ (ऋषभदेव) के एक वर्ष की कठोर तपस्या पूर्ण होने पर राजा श्रेयांश द्वारा इक्षुरस (गन्ने के रस) का आहारदान दिए जाने की ऐतिहासिक घटना की स्मृति में अक्षय तृतीया महापर्व मनाया जाता है। इसी परंपरा के अनुसार झुमरीतिलैया में श्री दिगंबर जैन समाज के नेतृत्व में यह पर्व अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम परम पूज्य मुनि श्री 108 धर्मसागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 भावसागर जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित किया गया। प्रातःकाल देवाधिदेव भगवान आदिनाथ की प्रतिमा पर भव्य महामस्तकाभिषेक किया गया। इसके पश्चात मुनि श्री के मुखारविंद से बृहद शांतिधारा संपन्न हुई तथा सुबोध एवं आशा जैन गंगवाल द्वारा संगीतमय पूजन का आयोजन किया गया। अपने प्रवचन में मुनि श्री ने कहा कि अक्षय तृतीया जैन धर्मावलंबियों का अत्यंत महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व है। इस दिन भगवान ऋषभदेव ने एक वर्ष की तपस्या के पश्चात हस्तिनापुर में

इक्षुरस से प्रथम आहार ग्रहण किया था। राजा श्रेयांश द्वारा किया गया यह आहारदान अक्षय पुण्य का प्रतीक बना और तभी से यह तिथि अक्षय तृतीया के रूप में प्रसिद्ध हुई। उन्होंने बताया कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य बाहरी सुख-सुविधाओं की प्राप्ति नहीं, बल्कि आत्मा की शांति और शुद्धि है। अक्षय तृतीया का संदेश त्याग, तप, संयम और सम्यक आचरण को अपनाने की प्रेरणा देता है। भगवान आदिनाथ और राजा श्रेयांश का आदर्श जीवन यह दशार्ता है कि जब ज्ञान, श्रद्धा और आचरण का समन्वय होता है, तभी धर्म का सच्चा स्वरूप प्रकट होता है। इस अवसर पर आचार्य विद्यासागर जैन पाठशाला के बच्चों एवं समाजजनों ने मुनि श्री को नवधा भक्ति के साथ

आहार अर्पित किया। बच्चों ने विभिन्न धार्मिक नियम भी ग्रहण किए, जिस पर मुनि श्री ने उन्हें विशेष आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम के अंतर्गत जैन समाज द्वारा पूरे नगर में गन्ने के रस (इक्षुरस) का वितरण किया गया। संयोजक मुकेश जैन अजमेरा एवं आनंद जैन पांड्या ने बताया कि भगवान के आहारदान की खुशी में यह विशेष सेवा कार्य किया गया, जिसे समाजजनों ने उत्साहपूर्वक सराहा। इसके साथ ही जीव दया की भावना को ध्यान में रखते हुए गौ माता को चोकर एवं खीरा खिलाया गया, जो करुणा और सेवा का प्रतीक रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रदीप जैन छाबड़ा, निर्मल जैन छाबड़ा, शेफाली जैन कासलीवाल, शानू-नैनी जैन सेठी सहित समाज के उपमंत्री नरेंद्र जैन झांझरी, सहमंत्री राज जैन छाबड़ा, विनोद जैन अजमेरा, दिलीप जैन बाकलीवाल, राजीव जैन छाबड़ा, पीयूष जैन कासलीवाल, संजय जैन गंगवाल एवं प्रिया जैन पांड्या का विशेष सहयोग रहा। मीडिया प्रभारी राजकुमार जैन अजमेरा ने कार्यक्रम की जानकारी प्रदान की। यह आयोजन श्रद्धा, दान और सेवा की भावना का प्रतीक बनकर समाज में धार्मिक चेतना को सुदृढ़ करने वाला सिद्ध हुआ।

जैन समाज ने मनाया अक्षय तृतीया पर्व

भगवान ऋषभदेव के प्रथम आहार की स्मृति में गन्ने का रस वितरित

सीकर. शाबाश इंडिया

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर सीकर शहर में जैन समाज द्वारा भक्ति, सेवा और परंपरा के साथ पर्व मनाया गया। तबेला बाजार स्थित आदिनाथ चैत्यालय के बाहर रविवार सुबह श्रद्धालुओं द्वारा गन्ने के रस (इक्षुरस) का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए और सेवा कार्य में भागीदारी निभाई।

इससे पूर्व प्रातःकाल शहर के समस्त जैन मंदिरों में विशेष पूजन, अभिषेक और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान की वेदी के समक्ष गुड़ अर्पित कर अपनी आस्था व्यक्त की। इसके पश्चात विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। जैन समाज के विवेक पाटोदी ने बताया कि यह आयोजन जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ) के प्रथम आहार की ऐतिहासिक घटना की स्मृति में किया जाता है। उन्होंने बताया कि दीक्षा ग्रहण करने के बाद भगवान आदिनाथ ने लगभग तेरह माह तक कठोर तपस्या की। इसके उपरांत वैशाख शुक्ल तृतीया के दिन हस्तिनापुर के राजा श्रेयांस कुमार ने उन्हें विधिपूर्वक गन्ने के रस का आहार प्रदान किया था। इसी परंपरा के अनुसार अक्षय तृतीया, जिसे आखातीज भी कहा जाता है, जैन समाज द्वारा दान दिवस के रूप में मनाई जाती है। इस दिन दान, तप और पूजा का विशेष महत्व होता है। श्रद्धालु मंदिरों में विशेष पूजन-अर्चना के साथ-साथ शास्त्र दान, औषधि दान और आहारदान जैसे पुण्य कार्य करते हैं, जिन्हें अत्यंत फलदायी माना जाता है। इस आयोजन में समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जिसने धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकता का भी संदेश दिया। सीकर में अक्षय तृतीया का यह पर्व श्रद्धा, सेवा और परंपरा के सुंदर समन्वय के रूप में मनाया गया, जिसने समाज में आध्यात्मिक चेतना को और अधिक सुदृढ़ किया।

अक्षय तृतीया वर्षीतप पारणा महोत्सव

संत सानिध्य में शांति भवन चातुर्मास समिति पदाधिकारियों का सम्मान

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर वर्षीतप पारणा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। राणावास में विराजमान प्रवर्तक सुकन मुनि, उपप्रवर्तक अमृतमुनि एवं अन्य संतों के सानिध्य में आयोजित इस समारोह में शांति भवन चातुर्मास समिति के पदाधिकारियों का भव्य सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत समिति के संयोजक कंवरलाल सूरिया, मंत्री नवरतनमल भलावत एवं उपाध्यक्ष सुशील चपलोत को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका अभिनंदन किया। समारोह में संतों एवं डॉ. वरुण मुनि के मंगल आशीर्वचनों के साथ धर्मसभा का आयोजन हुआ। संतों ने वर्षीतप जैसे कठिन तप की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तपस्या आत्मशुद्धि का सशक्त माध्यम है, जो व्यक्ति के आत्मबल, संयम और आध्यात्मिक उन्नति को सुदृढ़ करती है। उन्होंने श्रद्धालुओं को तप, त्याग और संयम के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर शांति भवन के पदाधिकारियों द्वारा दीक्षा बहन अंजू जैन का विशेष बहुमान किया गया। उनके संयममय जीवन और धार्मिक साधना की सराहना करते हुए समाजजनों ने उनकी अनुमोदना की। इसके साथ ही वर्षीतप की आराधना में संलग्न सभी तपस्वियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। संयोजक कंवरलाल सूरिया ने तपस्वियों के तप, त्याग और साधना को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही, जिससे पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि समाज में संयम, तपस्या और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रसार का संदेश भी देता रहा। **प्रवक्ता: सुनील चपलोत: शांति भवन, भोपालगंज, भीलवाड़ा मो.: 9414730514**

अक्षय तृतीया पर श्री मुनिसुव्रत नाथ फाउंडेशन ने किए धार्मिक एवं सामाजिक सेवा कार्य

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर श्री मुनिसुव्रत नाथ फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा धर्म, दान और सेवा से जुड़े विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को भी विशेष महत्व दिया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भक्तिमय वातावरण में भगवान ऋषभदेव स्वामी के अभिषेक एवं शांतिधारा से हुई। इसके पश्चात अक्षय तृतीया के महत्व को रेखांकित करते हुए उद्यान में उपस्थित सर्व समाज बंधुओं को इक्षुरस (गन्ने का रस) का पान कराकर पारणा कराया गया। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए जीवदया समिति द्वारा पक्षियों के लिए उद्यान में स्वच्छ जल के परिंडे भी लगाए गए, जो सेवा और करुणा का सुंदर उदाहरण रहा। इसके अलावा, धार्मिक संस्कारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से पाठशाला के नन्हे विद्यार्थियों को अतिशय क्षेत्र पदमपुरा ले जाया गया। वहां बच्चों ने सामूहिक पूजन, आरती एवं भक्तिभाव के साथ भगवान की आराधना की। पदमपुरा स्थित ध्यान कक्ष में बच्चों ने ध्यान लगाकर एकाग्रता और आध्यात्मिक अभ्यास का अनुभव प्राप्त किया। फाउंडेशन के समन्वयक अभिषेक सांघी ने बताया कि अक्षय तृतीया पर किए गए सामाजिक एवं धार्मिक कार्य ही सच्ची धर्म प्रभावना हैं, जो प्राणी मात्र की सेवा और बच्चों में संस्कारों के विकास का माध्यम बनते हैं। इस अवसर पर मुकेश संघी, निर्मला संघी, मैना गंगवाल, अंकित मित्रपुरा, वैभव स्वाति, मुकेश अंकिता, मोना, शुभम शिवाली, तोशी, डॉ. प्रीति, सपना सहित अनेक कार्यकताओं का सराहनीय सहयोग रहा। यह आयोजन धर्म, सेवा और संस्कारों के समन्वय का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर सामने आया।

सोहनी फुलकारी पंजाबी वुमेन सोसायटी ने हर्षोल्लास से मनाया बैसाखी उत्सव, डेजी नरूला बनीं नई अध्यक्ष

✍..आजाद शेरवानी

कोटा। सोहनी फुलकारी पंजाबी वुमेन सोसायटी की ओर से पंजाब का पारंपरिक बैसाखी पर्व अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में संस्था की सदस्य महिलाओं ने पंजाबी संस्कृति की जीवंत छटा बिखेरी।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक गिद्दा और भांगड़ा की शानदार प्रस्तुतियां दीं। बच्चों ने भी पंजाबी लोकगीतों पर मनमोहक नृत्य पेश कर उपस्थित जनसमूह की खूब तालियां बटोरीं। इस अवसर पर संस्था द्वारा उन सदस्यों को उपहार देकर सम्मानित किया गया, जो पिछले दो वर्षों से नियमित रूप से अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर रहे हैं।

नई कार्यकारिणी का गठन

उत्सव के बीच संस्था की नई कार्यकारिणी का विधिवत गठन किया गया। निवर्तमान अध्यक्षा रचना चावला ने आगामी दो वर्षों के कार्यकाल के लिए डेजी नरूला को नई अध्यक्षा के रूप में पदभार सौंपा। कार्यकारिणी में कविता गंभीर को सचिव नियुक्त किया गया है। नई टीम ने संकल्प लिया कि वे संस्था के सामाजिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरदारनी राजेंद्र कौर भसीन एवं श्री कुलम शक्तिपीठ की माताजी नीति अंबा जी उपस्थित रहीं। अतिथियों ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए नई टीम को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का सफल संचालन पुखराज भाटिया ने अपनी प्रभावी एंकरिंग से किया। अंत में बोर्ड मेंबर्स ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। आयोजन के सफल समापन पर सभी ने सामूहिक भोज और बैसाखी की खुशियों का आनंद लिया।

अक्षय तृतीया के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

108 आचार्य श्री विशद सागर जी, तपस्वी सम्राट सुंदर सागर जी एवं आचार्य श्री शशांक सागर जी के मंगल आशीर्वाद से दिनांक 19 अप्रैल 2026, रविवार, वैशाख शुक्ल तृतीया (अक्षय तृतीया) का पावन पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान श्री आदिनाथ ने 13 माह 9 दिवस के उपवास के पश्चात राजा श्रेयांस द्वारा इक्षुरस (गन्ने के रस) से पारणा किया था। इसी कारण यह दिवस दान और सेवा के लिए अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है। इस पावन अवसर पर श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, एस.एफ.एस. राजावत फार्म में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रातः 7:15 बजे अभिषेक एवं शांतिधारा का आयोजन हुआ। इसके पश्चात प्रातः 8:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक मंदिर के मुख्य द्वार पर श्रद्धालुओं को इक्षुरस (गन्ने का रस) वितरित किया गया। इस पुण्य अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्मलाभ लिया और सेवा कार्य में सहभागिता निभाई। इस पावन आयोजन में श्रेस्टी परिवार का विशेष सहयोग रहा। श्री अरुण जी, सीमा जी, विनय जी, मेघा जी, वैभव जी, हर्षिता जी सहित समस्त लुहाड़िया परिवार (स्पीकर्स वैली, सुमेर नगर) एवं श्री सौभागमल जी, धनकुमार जी, श्रीमती सुरेखा जी, यश जैन सहित समस्त काला परिवार (बिची वाले, दादू दयाल नगर) ने उल्लेखनीय योगदान दिया। इन परिवारों को भगवान आदिनाथ की मूल प्रतिमा पर प्रथम अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। साथ ही श्रद्धालुओं को शुद्ध जल एवं ताजे गन्ने से निर्मित इक्षुरस का वितरण प्रातः 7:30 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक किया गया। समिति के अध्यक्ष कमलेश चंद्र जैन एवं महामंत्री सौभागमल जैन ने सभी अतिथियों का तिलक, माला एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया।

काशीपुरा में जयकारों के बीच हुआ आचार्य विनीत सागर महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश

कोटखावदा. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, काशीपुरा में रविवार को जयकारों के बीच आचार्य विनीत सागर महाराज ससंघ का भव्य मंगल प्रवेश हुआ। पूरे क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। प्रचार संयोजक दीपक गोधा एवं अमन जैन (कोटखावदा) ने बताया कि प्रातःकाल गाजे-बाजे एवं जयकारों के साथ आचार्य श्री ससंघ का काशीपुरा में भव्य स्वागत किया गया। आचार्य श्री विभिन्न मार्गों से होते हुए मंदिर परिसर में पहुंचे, जहां श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक ससंघ की अगवानी की। जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पाद प्रक्षालन एवं आरती कर भावपूर्ण स्वागत किया गया। मंदिर उपाध्यक्ष कैलाश पाटनी एवं विनोद गंगवाल ने जानकारी दी कि पट्टाचार्य श्री ससंघ के सानिध्य में तथा विधानाचार्य पं. विमल जैन बनेठा के निर्देशन में 24 अप्रैल से 26 अप्रैल तक वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस महोत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान एवं कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भागीदारी रहने की संभावना है।

अक्षय तृतीया पर भगवान ऋषभदेव का इक्षुरस से आहार, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम

अयोध्या. शाबाश इंडिया

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर अयोध्या स्थित श्री भगवान ऋषभदेव बड़ी मूर्ति दिगंबर जैन मंदिर, रायगंज में भक्ति, आस्था और परंपरा का भव्य संगम देखने को मिला। इस अवसर पर भगवान ऋषभदेव का इक्षुरस (गन्ने के रस) से आहार कराते हुए इस प्राचीन जैन परंपरा का श्रद्धापूर्वक निर्वहन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। यह धार्मिक आयोजन जैन साध्वी प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका ज्ञानमती माताजी के पावन सानिध्य तथा मुनि श्री सोमदत्त सागर जी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रतिष्ठाचार्य श्री विजय कुमार जैन के मार्गदर्शन में भगवान ऋषभदेव की प्रतिमा को आहारचर्या के लिए शोभायात्रा के रूप में निकाला गया, जिसमें श्रद्धालु भक्ति भाव से सम्मिलित हुए। जैन शास्त्रों के अनुसार भगवान ऋषभदेव के समय लोगों को जैन साधुओं को आहार देने की विधि का ज्ञान नहीं था। परिणामस्वरूप भगवान को एक वर्ष और 39 दिनों तक आहार प्राप्त नहीं हुआ। बाद में जब वे हस्तिनापुर पहुँचे, तब वहाँ के राजा श्रेयांश को पूर्व जन्म का स्मरण हुआ और उन्होंने विधिपूर्वक नवधा भक्ति के साथ भगवान को इक्षुरस का आहार कराया। यह घटना जैन धर्म में आहारदान की परंपरा की शुरूआत मानी जाती है। इसी ऐतिहासिक प्रसंग की स्मृति में अक्षय तृतीया के दिन भगवान ऋषभदेव को इक्षुरस का आहार कराने की परंपरा निभाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन किया गया दान और पुण्य अक्षय फल प्रदान करता है।इस अवसर पर गणिनी प्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी ने अपने प्रवचन में कहा कि अक्षय तृतीया केवल भौतिक वस्तुओं की खरीद का पर्व नहीं है, बल्कि यह आहारदान और सेवा का संदेश देने वाला दिन है। उन्होंने बताया कि सच्चे अर्थों में यह पर्व त्याग, सेवा और परोपकार की भावना को सुदृढ़ करता है। कार्यक्रम में अयोध्या तीर्थ पर राजा श्रेयांश के रूप में श्री सुभाषचंद जैन सर्राफ, इंद्रानगर (लखनऊ) को प्रथम आहारदान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इसके पश्चात श्री कैलाशचंद जैन (लखनऊ), श्री पुखराज पांड्या (गोरखपुर), श्री अंजय जैन (बाराबंकी), डॉ. राधा जैन, श्री दिनेश जैन (लखनऊ), श्री अरिंजय जैन (दरियाबाद) तथा डॉ. जीवन प्रकाश जैन सहित अनेक श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से आहारदान किया। आहारदान के पश्चात पंचाश्चर्य वृष्टि का आयोजन किया गया, जिसमें रत्नवृष्टि, पुष्पवृष्टि, गंधोदक वृष्टि तथा देवदुंदुभि के साथ जय-जयकार की गई। संपूर्ण कार्यक्रम पीठाधीश स्वस्तिश्री रविंद्रकीर्ति स्वामी जी के निर्देशन तथा प्रज्ञाश्रमणी आर्यिका चंदनामती माताजी के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अंत में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को गन्ने के रस का प्रसाद वितरित किया गया। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि समाज में सेवा, दान और परंपरा के महत्व को भी पुनः स्थापित करने वाला रहा।

– श्री अभिषेक अशोक पाटील, कोल्हापुर

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर '**शाबाश इंडिया**' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

अक्षय तृतीया पर नौगामा में लघु सम्मेद शिखर की वंदना, दान और धर्म का दिया संदेश

सुरेश चंद्र गांधी, नौगामा (जिला बांसवाड़ा, राजस्थान)

अक्षय तृतीया के पावन महापर्व पर बांसवाड़ा जिले के नौगामा नगर में धार्मिक आस्था और भक्ति का विशेष वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर नगर में विराजमान सिद्ध श्री माताजी के सानिध्य में लघु सम्मेद शिखर की वंदना श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुई। प्रातःकालीन वेला में सिद्ध श्री माताजी ने लघु सम्मेद शिखर की वंदना कर इसे साधु-संतों की आराधना का पावन स्थल बताया। उन्होंने आशीर्वचन देते हुए कहा कि यहाँ निमार्णाधीन भगवान मुनिसुव्रतनाथ जिनालय शीघ्र पूर्ण हो और भगवान की भव्य प्रतिमा विराजमान हो, जिससे यह क्षेत्र और अधिक आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण बने। अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, नौगामा में प्रातः अभिषेक के साथ विशेष पूजन का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने बड़े ही उत्साह और भक्ति भाव से पूजन-अर्चन में भाग लिया। मंदिर परिसर में पूरे दिन धर्ममय वातावरण बना रहा और भक्तजन भगवान की आराधना में लीन रहे। इस अवसर पर सिद्ध श्री माताजी ने अपने प्रवचन में अक्षय तृतीया के महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि 'अक्षय' का अर्थ है—जो कभी क्षय न हो। इस दिन किया गया दान और पुण्य अक्षय फल प्रदान करता है। जैन परंपरा के अनुसार, एक वर्ष के कठोर तप के बाद भगवान आदिनाथ को राजा श्रेयांश ने प्रथम आहार कराया था। उसी दिन से दान की परंपरा का शुभारंभ हुआ और राजा श्रेयांश एवं सोमदत्त का नाम दान प्रवर्तक के रूप में प्रसिद्ध हुआ। माताजी ने आगे कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में दान की प्रवृत्ति अवश्य अपनानी चाहिए।

अक्षय तृतीया पर मंदिरों में विशेष आयोजन, भक्तों ने किया इक्षुरस का पान

चित्तौड़गढ़. शाबाश इंडिया। जैन धर्म में अक्षय तृतीया का विशेष महत्व माना जाता है। इस पावन अवसर पर चित्तौड़गढ़ के विभिन्न जिनालयों में धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला आयोजित की गई, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धर्मलाभ अर्जित किया। संरक्षिका मनोरमा अजमेरा ने जानकारी देते हुए बताया कि अक्षय तृतीया के उपलक्ष्य में मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा एवं विशेष पूजन का आयोजन किया गया। इसके साथ ही भगवान आदिनाथ की आराधना करते हुए आदिनाथ चालीसा और भक्तामर स्तोत्र का सामूहिक पाठ भी किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। उन्होंने बताया कि जैन परंपरा के अनुसार भगवान आदिनाथ ने दीक्षा ग्रहण करने के पश्चात छह माह तक कठोर तपस्या की थी और उसके बाद उन्हें प्रथम आहार के रूप में इक्षुरस (गन्ने का रस) प्राप्त हुआ था। इसी ऐतिहासिक प्रसंग की स्मृति में अक्षय तृतीया के दिन इक्षुरस का विशेष महत्व माना जाता है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए भक्तों को इक्षुरस का पान कराया गया, जिससे सभी ने अपनी सांस्कृतिक धरोहर से जुड़ाव महसूस किया। महिला महासमिति संभाग अध्यक्ष मंजु सेठी ने बताया कि दुर्ग स्थित कीर्ति स्तंभ जैन मंदिर में तीन दिन पूर्व हुई चोरी की घटना को लेकर जैन समाज में चिंता का माहौल है। चोरी हुई मूर्तियों एवं अन्य धार्मिक सामग्री की शीघ्र बरामदगी के लिए महिला महासमिति के आव्हान पर सामूहिक रूप से नमोकार मंत्र का जाप किया गया और भगवान से प्रार्थना की गई। इस धार्मिक कार्यक्रम में सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष पारस सोनी एवं सुपार्श्वनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष राजकुमार बज का विशेष सहयोग रहा। आयोजन को सफल बनाने में समाज के अनेक गणमान्य सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

अक्षय तृतीया रैपिड ओपन शतरंज प्रतियोगिता 2026 का भव्य आगाज

जयपुर. शाबाश इंडिया

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर जयपुर चेस क्लब द्वारा परिष्कार कॉलेज, मानसरोवर में आयोजित ''अक्षय तृतीया रैपिड ओपन शतरंज प्रतियोगिता 2026'' का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता में कुल 171 प्रतिभागी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं, जिससे आयोजन में प्रतिस्पर्धा और उत्साह का विशेष माहौल बना हुआ है। टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर जिनेश कुमार जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता की खास बात यह है कि इसमें 24 नए खिलाड़ी (फ्रेश प्रतिभागी) पहली बार किसी टूर्नामेंट में भाग ले रहे हैं। यह शतरंज के प्रति युवाओं और बच्चों में बढ़ती रुचि का सकारात्मक संकेत है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में कुल 25,000 रुपए की प्राइज मनी के साथ 39 ट्रॉफियां और मेडल्स विजेताओं को प्रदान किए जाएंगे। यह आयोजन खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का उत्कृष्ट मंच प्रदान कर रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनमोहन हर्ष (संयुक्त निदेशक, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग) ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि शतरंज जैसे बौद्धिक खेल युवाओं के मानसिक विकास, एकाग्रता और निर्णय क्षमता को मजबूत बनाते हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में सुभाष जैन (सेवानिवृत्त एजीएम, एसबीआई बैंक) उपस्थित रहे और उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। जयपुर जिला शतरंज संघ के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट विक्रम सिंह ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और उन्हें अपने कौशल को निखारने का अवसर प्रदान करते हैं। यह प्रतियोगिता जयपुर चेस अकादमी द्वारा आयोजित की जा रही है, जिसे जयपुर डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन की मान्यता प्राप्त है। आयोजन में जयपुर चेस क्लब एवं वाणी चेस क्लब का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है। यह प्रतियोगिता शहर में खेलों के प्रति बढ़ती जागरूकता और युवाओं की सक्रिय भागीदारी का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आई है।

खंडेलवाल वैश्य धाम जागरण रथ यात्रा का अलवर में भव्य स्वागत

अलवर. शाबाश इंडिया

खंडेला धाम से प्रारंभ हुई खंडेलवाल वैश्य धाम जागरण रथ यात्रा के अलवर पहुंचने पर खंडेलवाल सेवा समिति, अलवर के तत्वावधान में भव्य एवं हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया। शहर में विभिन्न स्थानों पर समाजजनों ने पुष्प वर्षा कर रथ यात्रा का आत्मीय अभिनंदन किया, जिससे पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का वातावरण बना रहा। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में खंडेलवाल समाज की विभिन्न संस्थाओं एवं सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। श्रद्धालुओं ने अपनी-अपनी कुलदेवी एवं विभिन्न गोत्रों की देवियों की विधिवत पूजा-अर्चना कर महाआरती की। कार्यक्रम में खंडेला धाम के संस्थापक एवं आजीवन मैनेजिंग ट्रस्टी पुरुषोत्तम गुप्ता, अध्यक्ष आर.सी. गुप्ता (झालाणी), महामंत्री रमेशचन्द्र खंडेलवाल (जोधपुर) सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस दौरान एक-एक लाख रुपये के सहयोग से सात नए ट्रस्ट सदस्यों का मनोनयन भी किया गया। खंडेलवाल सेवा समिति, अलवर के अध्यक्ष किशन गुप्ता ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि समाज की एकता और धार्मिक जागरण के उद्देश्य से इस रथ यात्रा का आयोजन किया गया है। अखिल भारतवर्षीय खंडेलवाल वैश्य महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी प्रोफेसर रमेश कुमार रावत ने भी इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि ऐसी यात्राएं समाज में एकजुटता और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने दूरभाष पर आयोजन से जुड़े पदाधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

अक्षय तृतीया पर सेवा भाव: जनता कॉलोनी जैन मंदिर में नि:शुल्क गन्ना रस वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर 19 अप्रैल 2026 को जनता कॉलोनी स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में समाज बंधुओं द्वारा सेवा भाव का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया गया। भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर में शीतल गन्ने के रस का नि:शुल्क वितरण किया गया। इस सेवा कार्य के अंतर्गत मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं, राहगीरों तथा जरूरतमंद लोगों को गन्ने का रस पिलाकर राहत प्रदान की गई। कार्यक्रम में समाज के अनेक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सेवा का पुण्य लाभ अर्जित किया। मंदिर समिति एवं सहयोगी सदस्यों का यह प्रयास अत्यंत सराहनीय रहा। सभी ने मिलकर यह संदेश दिया कि धार्मिक अवसरों पर सेवा और परोपकार की भावना ही सच्चा धर्म है। मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन किया गया दान-पुण्य अक्षय फल प्रदान करता है। इसी भावना के साथ इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए समाजजनों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई और सेवा के इस कार्य को सफल बनाया।

शक्ति नगर स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन पल्लीवाल मंदिर में इक्षुरस वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। शक्ति नगर स्थित श्री 1008 श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन पल्लीवाल मंदिर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान आदिनाथ के प्रथम पारणा दिवस के अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन किया गया। रविवार, 19 अप्रैल 2026 को प्रातः 7 से 9 बजे तक मंदिर प्रांगण में श्रद्धालुओं को इक्षुरस (गन्ने का रस) का वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और सभी ने कार्यक्रम में सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया। इक्षुरस वितरण के माध्यम से भगवान आदिनाथ के प्रथम आहार की ऐतिहासिक परंपरा का स्मरण करते हुए दान और सेवा की भावना को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विमला जैन, सुनीता अजमेरा, अंकिता बिलाला, राजकुमारी वैद, रमिता शाह, मीतू पाटोदी, प्रीति लुहाड़िया, मीना जैन, अश्विनी शाह एवं राजकुमार वैद सहित अनेक श्रद्धालुओं का सराहनीय सहयोग रहा। मंदिर समिति द्वारा सभी सहयोगकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनकी अनुमोदना की गई। यह आयोजन श्रद्धा, सेवा और परंपरा का सुंदर उदाहरण बनकर समाज में सकारात्मक संदेश देने वाला रहा।

राजकीय विद्यालय के 80 विद्यार्थियों को गणवेश वितरित, बच्चों के चेहरे खिले

अजमेर. शाबाश इंडिया। अजमेर संभाग के अराई पंचायत क्षेत्र स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, गुजरवाड़ा जोगियान में सामाजिक सरोकार का प्रेरणादायी उदाहरण देखने को मिला। श्री दिगंबर महा समिति अजमेर संभाग एवं लायंस क्लब अजमेर आस्था के संयुक्त तत्वावधान में 80 विद्यार्थियों को गणवेश (पैंट एवं टी-शर्ट) वितरित की गई। यह सेवा कार्य समिति के संरक्षक राकेश पालीवाल, अध्यक्ष अतुल पाटनी, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी एवं अन्य भामाशाहों के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कारों की ओर प्रेरित करना और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति करना रहा। लायंस क्लब के अध्यक्ष मुकेश कर्णावट ने बताया कि यह आयोजन प्रांतीय प्रमुख कार्यक्रम ''आओ खुशियां बांटे'' एवं ''आओ गांव चलें, सेवा करें'' के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक अतुल पाटनी के नेतृत्व में, झिरोता के शिक्षक रामकरण घासल के माध्यम से विद्यालय में यह सेवा कार्य संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यार्थियों को विद्यालय के शिक्षकों एवं ग्राम के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में नए वस्त्र प्रदान किए गए। नए गणवेश पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी और उन्होंने उत्साहपूर्वक अपना आनंद व्यक्त किया। अंत में शिक्षक रामकरण घासल ने सभी सेवा सहयोगियों एवं आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ बच्चों के उत्साह और आत्मविश्वास को भी बढ़ाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ एवं ग्राम के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। यह आयोजन शिक्षा, सेवा और सहयोग की भावना को सुदृढ़ करने वाला प्रेरणादायी प्रयास सिद्ध हुआ।

अक्षय तृतीया पर्व श्रद्धा और सेवा भाव के साथ मनाया

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर जैन समाज द्वारा विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। भगवान आदिनाथ के प्रथम आहार की स्मृति में मंदिरों में विशेष पूजन-अर्चना के साथ आमजन को गन्ने का रस (इक्षुरस) पिलाया गया। जैन धर्म के अनुसार प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव को छह माह की कठोर तपस्या के पश्चात गन्ने के रस से प्रथम आहार प्राप्त हुआ था। इसी ऐतिहासिक प्रसंग के उपलक्ष्य में अक्षय तृतीया पर्व मनाया जाता है, जिसे दान और पुण्य का विशेष दिवस माना जाता है। इस दिन श्रद्धालु मंदिरों में भगवान को गुड़ अर्पित कर पूजा-अर्चना करते हैं तथा आमजन को इक्षुरस का पान कराते हैं। वर्धमान पाठशाला की व्यवस्थापक पूनम अनोपड़ा ने बताया कि प्रातःकाल भगवान आदिनाथ का नित्य अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा कर विशेष पूजा-अर्चना की गई। साथ ही महावीर स्वामी की पूजा कर अर्घ्य एवं श्रीफल अर्पित किए गए। इसके पश्चात पंडित राजीव शास्त्री के सानिध्य में आदिनाथ मंडल विधान का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं द्वारा 128 अर्घ्य एवं श्रीफल समर्पित किए गए। कार्यक्रम के दौरान वर्धमान पाठशाला के बच्चों ने भक्ति नृत्य प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पंडित राजीव शास्त्री ने अपने प्रवचन में अक्षय तृतीया के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पर्व त्याग, दान और तप की प्रेरणा देता है। मंडल विधान के पश्चात वर्धमान पाठशाला के बालकों को कस्तूरी देवी, कमल कुमार, विमल कुमार एवं संजय कुमार बिलासपुरिया परिवार की ओर से पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर पाठशाला की अध्यक्ष संगीता बिलासपुरिया, सुरभि चौधरी, अंतिक्षा पाटनी, रिंकू अनोपड़ा, पायल चौधरी, मंजू सोनी, निशा कासलीवाल, स्नेहलता जैन, सीमा सोनी, आशा देवी सहित अनेक श्रद्धालु एवं बच्चे उपस्थित रहे। इसी क्रम में श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन तेरापंथ ट्रस्ट भवन, पुरानी टोंक स्थित श्री पारसमल धर्मचंद बिलासपुरिया चैरिटेबल आयुर्वेदिक औषधालय समिति द्वारा आमजन को गन्ने का रस वितरित किया गया। औषधालय समिति के प्रवक्ता राजेश अरिहंत ने बताया कि मार्ग से गुजरने वाले सभी नागरिकों को उत्साहपूर्वक इक्षुरस पिलाया गया, जिसमें महिला, पुरुष एवं बच्चों ने भाग लेकर खुशी व्यक्त की। समिति की संरक्षक कस्तूरी देवी एवं अध्यक्ष कमल कुमार जैन ने बताया कि यह सेवा कार्य प्रति वर्ष अक्षय तृतीया पर किया जाता है।

प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का प्रथम पारणा इक्षु रस से

जयपुर. शाबाश इंडिया। शाश्वत तीर्थ अयोध्या में जन्मे जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव का प्रथम पारणा इक्षु रस से वैशाख शुक्ल तृतीया के पावन अवसर पर हस्तिनापुर में राजा श्रेयांस के यहाँ हुआ था। इसी पावन स्मृति में अक्षय तृतीया पर इक्षु रस का वितरण कर महोत्सव मनाया गया। वात्सल्य ग्रुप के अध्यक्ष अनिल टोंग्या के अनुसार, श्री दिगम्बर जैन वात्सल्य ग्रुप एवं पुलक मंच परिवार के संयुक्त तत्वावधान में दिगम्बर जैन मंदिर, महारानी फार्म, गायत्री नगर के बाहर प्रांगण में 19 अप्रैल 2026 को प्रातः 7:00 बजे से 9:30 बजे तक गन्ने (इक्षु) के रस का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का उद्घाटन राजेन्द्र-सुमन सोगानी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वात्सल्य ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुरेश राज लुहाडिया, पुलक मंच परिवार की राष्ट्रीय महामंत्री बीना टोंग्या, अध्यक्षा मंजू सेवावाली, उपाध्यक्षा विमला जैन, महासचिव रेखा-अनिल झांझरी, वात्सल्य ग्रुप की उपाध्यक्ष उषा लुहाडिया, उपाध्यक्ष अशोक कासलीवाल (एचपीसीएल), कोषाध्यक्ष सुरेश मीनू जैन, सांस्कृतिक सचिव प्रदीप-गुड्डी पाटनी सहित प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबड़ा, उपाध्यक्ष अरुण शाह, कोषाध्यक्ष राकेश छावड़ा, अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन बड़जात्या, अशोक जैन, अंजू जैन, अरुण सांघी, प्रवक्ता राकेश-राजकुमारी पाटोदी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर समाज के लगभग 750 व्यक्तियों ने गन्ने के रस का आनंद लिया। अंत में महासचिव रेखा झांझरी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

होनहार विद्यार्थियों का सम्मान

अच्छे नागरिक बनकर देश-समाज की सेवा करें: सुरभि शर्मा

रत्नेश जैन / राजेश रागी

बकस्वाहा। निकटवर्ती तीर्थधाम सिद्धायतन (सेंधपा) में दिनांक 18 अप्रैल 2026 को कक्षा 10वीं का 100% परीक्षा परिणाम प्राप्त होने पर तीर्थधाम सिद्धायतन सेंधपा ट्रस्ट द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष आलोक दाऊ ने की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भगवां थाना प्रभारी श्रीमती सुरभि शर्मा रहीं, जबकि

विशिष्ट अतिथि के रूप में पंडित नीलेश शास्त्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ कक्षा 10वीं के छात्र पारस जैन द्वारा मंगलाचरण से किया गया। इसके पश्चात विद्यालय के दोनों अधीक्षकों द्वारा विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। विद्यालय की शिक्षिका रेखा जैन ने मुख्य अतिथि श्रीमती सुरभि शर्मा का स्वागत एवं सम्मान किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि सुरभि शर्मा ने विद्यार्थियों को उत्कृष्ट परिणाम के लिए बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अच्छे नागरिक बनकर देश और समाज की सेवा करनी चाहिए तथा शिक्षा को ही अपना प्रमुख लक्ष्य बनाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि पंडित नीलेश शास्त्री ने भी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए अध्ययन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संदेश दिया और उनकी सफलता पर शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों का माल्यार्पण, अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया तथा उन्हें पुरस्कार प्रदान किए गए।

दिगम्बर जैन युवा महासभा की ब्यावर जिला कार्यकारिणी घोषित

युवा शक्ति को संगठित कर समाज को सशक्त बनाने का संकल्प

ब्यावर. शाबाश इंडिया

भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा महासभा की ब्यावर जिला पुरुष शाखा की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस अवसर पर संगठन के कार्याध्यक्ष विकेश मेहता ने जिला अध्यक्ष विकल जैन कासलीवाल एवं महामंत्री दिनेश जैन अजमेरा की अनुशंसा पर नई कार्यकारिणी की घोषणा की। कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए विकेश मेहता ने कहा कि संगठन में युवा शक्ति को जोड़ने से समाज को नई ऊर्जा और दिशा मिलती है। उन्होंने बताया कि महासभा जैन समाज के युवाओं की प्रतिभाओं को आगे लाने तथा जैन दर्शन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर सक्रिय है। घोषित कार्यकारिणी में विकल जैन कासलीवाल को जिला अध्यक्ष एवं दिनेश जैन अजमेरा को महामंत्री नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही राजकुमार जैन पहाड़िया एवं सुभाष जैन कासलीवाल (विजयनगर) को संरक्षक बनाया गया है। संरक्षक मंडल में अशोक जैन काला, महावीरप्रसाद जैन बोहरा, आनंदपुर कालू एवं मनोज कुमार जैन गंगवाल (निमाज) को शामिल किया गया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सुशील जैन बड़जात्या, विजयकुमार जैन फागीवाला एवं संजय जैन रांवका को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं उपाध्यक्ष पद पर जयकुमार जैन पाटनी (आनंदपुर कालू), अजय जैन कोठारी (विजयनगर) एवं मनोज जैन कासलीवाल को नियुक्त किया गया है। सहमंत्री के रूप में संजय जैन गंगवाल, रितेश जैन फागीवाला, पारसमल जैन ठोलिया, जितेन्द्र जैन ठोलिया एवं अमित जैन गोधा को जिम्मेदारी दी गई है। संगठन मंत्री पद पर गजेन्द्र जैन (निमाज), अशुल जैन गोधा (विजयनगर), नवीन जैन कासलीवाल (बलूंदा) एवं अंकुर जैन अजमेरा को नियुक्त किया गया है। प्रवक्ता पद पर राकेश जैन गोधा एवं पीयूष जैन कासलीवाल को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अतिरिक्त कल्पेश जैन को कोषाध्यक्ष एवं प्रशांत जैन को छात्र शाखा अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नवगठित कार्यकारिणी की घोषणा पर जैन समाज के विभिन्न पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

आरएएस परीक्षा में ओसवाल समाज का गौरव

जुहिल कोठारी और अर्चित कंठालिया की ऐतिहासिक सफलता पर ओसवाल सभा ने घर जाकर किया अभिनंदन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित आरएएस परीक्षा परिणामों में ओसवाल समाज के दो होनहार युवाओं ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर समाज का मान बढ़ाया है। ओसवाल सभा के सदस्य जुहिल कोठारी ने प्रदेश स्तर पर 51वीं रैंक तथा अर्चित कंठालिया ने 145वीं रैंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इस दोहरी उपलब्धि पर ओसवाल सभा के पदाधिकारियों ने दोनों युवाओं के निवास स्थान पर पहुंचकर उनका एवं उनके परिजनों का अभिनंदन किया। ओसवाल सभा के पदाधिकारी सर्वप्रथम जुहिल कोठारी के निवास स्थान पहुंचे, जहां उनका पगड़ी, माला एवं उपरणा पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर उनके पिता विनयकांत कोठारी, माता संगीता कोठारी, उनकी जीवन संगिनी एवं बहन सहित पूरे परिवार को शुभकामनाएं दी गई। सभा के सदस्यों ने जुहिल की मेहनत और परिवार के सहयोग की सराहना करते हुए सभी का अभिनंदन किया। इसके पश्चात सभा के पदाधिकारी अर्चित कंठालिया के निवास स्थान पहुंचे, जहां उनका भी पगड़ी और माला पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस दौरान उनके पिता प्रवीण कंठालिया, माता सीमा कंठालिया एवं परिजनों का भी सम्मान कर शुभकामनाएं दी गईं। अभिनंदन समारोह के दौरान ओसवाल सभा के अध्यक्ष प्रकाश चंद्र कोठारी ने कहा कि जुहिल और अर्चित की यह उपलब्धि केवल ओसवाल समाज ही नहीं, बल्कि पूरे जैन समाज के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि इन युवाओं ने अपनी कड़ी मेहनत से यह सिद्ध कर दिया है कि स्पष्ट लक्ष्य और समर्पण से बड़ी से बड़ी सफलता प्राप्त की जा सकती है। हमें विश्वास है कि ये दोनों युवा अधिकारी के रूप में समाज और राष्ट्र की निस्वार्थ सेवा करेंगे। सभा की सचिव डॉ. प्रमिला जैन ने कहा कि यह दिन समाज के लिए उत्सव के समान है। जुहिल और अर्चित की सफलता आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बनेगी तथा प्रशासनिक सेवाओं में युवाओं की भागीदारी भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है। इस अवसर पर सभा के सह सचिव कमल कोठारी, कार्यकारिणी सदस्य ललित जैन मोगरा, परामर्शदाता आर. सी. मेहता, मनीष नागोरी, श्रेष्ठि जन प्रकोष्ठ अध्यक्ष करणमल जारोली, महामंत्री करणसिंह कटारिया, प्रोफेशनल प्रकोष्ठ संरक्षक नरेंद्र कोठारी, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष किरण पोखरना, बाल प्रकोष्ठ महामंत्री गर्वित दक, नीलम दक, राकेश नंदावत, नितिन नरेश नागोरी, हिम्मत जैन मेहरी, डॉ. मनीष पोखरना सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

शशिन यादव स्मृति राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता 2026: देशभर के छायाकारों का हुनर चमका

वाइल्ड लाइफ श्रेणी में देवेंद्र श्रीमाली को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान, 2100 प्रविष्टियों में कड़ी प्रतिस्पर्धा

उदयपुर. शाबाश इंडिया

पुरस्कार प्राप्त फोटो

मिलन फोटोग्राफिक सोसायटी, जबलपुर द्वारा विगत 48 वर्षों से आयोजित शशिन यादव स्मृति ''यह जाने अनजाने छायाकार'' राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी 2026 के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इस प्रतिष्ठित आयोजन में इस वर्ष देशभर के 315 छायाकारों ने 2100 से अधिक तस्वीरें भेजीं, जिससे प्रतियोगिता का स्तर अत्यंत प्रतिस्पर्धात्मक रहा। वाइल्ड लाइफ एवं नेचर श्रेणी में भोपाल के सैयद अदनान ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि मुंबई के सुरेश खरे द्वितीय और इंदौर के विजय चंदेल तृतीय स्थान पर रहे। इसी श्रेणी में उदयपुर के देवेंद्र श्रीमाली को राष्ट्रीय स्तर पर सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ, जो शहर के लिए गर्व का विषय है। उनके साथ गुरविंदर छाबड़ा, राहुल पंडित, अखिल हर्डिया, डॉ. अनिमेष सक्सेना, चिंताहरण घोष, डॉ. दिलीप कटियार, स्तुति घोष, विप्रांश पांडेय, सैयद नैय्यर आलम, करणवीर वाधवा, गार्गी, जीतू बुधौलिया, अमनप्रीत सलूजा और आनंद शिवहरे को भी सम्मान मिला। ब्लैक एंड व्हाइट श्रेणी में कोलकाता के चिन्मय भट्टाचार्य ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि इंदौर के कैलाश मित्तल और प्रवीण रावत क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। इस वर्ग में भी कई प्रतिभाशाली छायाकारों को सांत्वना पुरस्कार दिए गए। रंगीन श्रेणी में इंदौर के छायाकारों का दबदबा रहा, जहां प्रवीण रावत ने प्रथम, विजय चंदेल ने द्वितीय और कैलाश मित्तल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस वर्ग में भी बड़ी संख्या में प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए, जो देशभर में फोटोग्राफी के बढ़ते स्तर को दर्शाता है। इस वर्ष जबलपुर के युवा छायाकारों को प्रोत्साहित करने के लिए डॉ. के.सी. सक्सेना स्मृति विशेष पुरस्कार की शुरूआत की गई, जो डॉ. रोहित भंडारी और समर्थ सिंघई को प्रदान किया गया। वहीं प्रेस फोटोग्राफी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए अरविंद स्मृति पुरस्कार सुशील चौबे को दिया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में ब्लैक एंड व्हाइट व कलर श्रेणी के लिए सुगन जाट, विनय अम्बर, डॉ. संदीप जैन, डॉ. गौरव कोचर और राजेश्वर राव शामिल रहे, जबकि वाइल्ड लाइफ एवं नेचर श्रेणी का मूल्यांकन डॉ. बलवंत हर्षे,

नीरज वेगड़ और अजीत नारंग ने किया। यह आयोजन न केवल देशभर के छायाकारों के लिए एक प्रतिष्ठित मंच बना, बल्कि फोटोग्राफी के प्रति बढ़ते जुनून और रचनात्मकता का भी सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करता है।

रिपोर्ट/ फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

संस्थापित सन् 1894
पंजीकृत सन् 65/1956-57

सम्पर्क सूत्र : 0141-2315019

श्री महावीर दिगम्बर जैन बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय

1199, खिन्दूकों के मंदिर की धर्मशाला, चौरूकों का रास्ता, चौड़ा रास्ता, जयपुर - 302003

L.KG. से कक्षा 5 तक सह-शिक्षा

प्रवेश प्रारम्भ 2026-27

कक्षा 6 से 12 तक केवल छात्राएँ (कला एवं वाणिज्य संकाय)

132 वर्ष पूर्व सन् 1894 में संस्थापित यह विद्यालय जयपुर शहर में दिगम्बर जैन समाज का सर्वाधिक प्राचीन एवं प्रतिष्ठित विद्यालय है। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा हाल ही में घोषित कक्षा 12वीं व 10वीं के परीक्षा परिणामों में विद्यालय की छात्राओं ने गत वर्षों की तरह उत्कृष्ट अंक प्राप्त किये। कक्षा 12 की 11 छात्राओं में से 9 प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई 8 छात्राओं ने गार्गी पुरस्कार अंक प्राप्त किये तथा 3 छात्राओं ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये। इसी प्रकार कक्षा 10वीं की 20 छात्राओं में से 18 छात्राएँ प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुई, 6 छात्राओं ने गार्गी पुरस्कार अंक प्राप्त किये व 2 छात्राओं ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये। विवरण प्राप्त अंक छात्राओं के फोटोग्राफ के नीचे अंकित हैं :-

सत्र 2024-25

आकांक्षा बड़गुर्जर 91.40% (XII Com.) | वेदिका 92.00% (X)

सत्र-2025-26

सानिया 93.20% (XII Com.) | तनिष्का वर्मा 92% (XII Com.) | पायल प्रजापति 91.80% (XII Com.)

सत्र-2025-26

नंदिनी कुमारी 91.17% (X) | अर्पिता शर्मा 90.33% (X)

सत्र 2021-22 / सत्र 2019-20

दीक्षिता जैन 92% (XII Com.) | कनिका वर्मा 91% (XII Com.)

सत्र 2018-19

बिन्नी साहू 91.40% (XII Com.) | पिंकी गुर्जर 90% (XII Com.) | जयश्री जैन 90% (X)

सत्र 2016-17

खुशी पाटोदी 95.67% (X)

सत्र 2023-24

ईशिका टिंकर 93% (XII Com.) | चारू धोचक 91.80% (XII Com.) | भूमिका कुमारी प्रजापति 93.50% (X) | सानिया 92.67% (X) | तनिष्का वर्मा 92.17% (X)

सत्र 2020-21

जयश्री जैन 97% (XII Com.) | सिमरन कुरैशी 96% (XII Com.) | कृति पाटोदी 94% (XII Com.) | कविता सैन 91% (XII Com.) | आर्ची जैन 96% (X) | अलफिशा 95.50% (X)

कृतिका वर्मा 95% (X) | खुशनुमा कुरैशी 94% (X) | मोनिका प्रजापत 94% (X) | कनिष्का सैन 93% (X) | कशिश धनवानी 92% (X) | गौरी टिंकर 90.67% (X) | गरिमा कंवर 90% (X)

बोर्ड परीक्षाओं में विद्यालय की 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राएँ

श्रीमती रिचा जैन
प्रधानाचार्या

श्री वी.के. गोदीका (I.P.S)
(से.नि. महानिरीक्षक पुलिस)
मंत्री

तीन पीढ़ियों की कला अब सीधे बाजार में, 'मेक माय क्राफ्ट' ने बदली परंपरा की दिशा

लेकसिटी में फैक्ट्री आउटलेट शुरू, ग्राहकों को मिलेगा कारीगरी का सीधा अनुभव

उदयपुर. शाबाश इंडिया

वर्षों से परंपरा और हुनर को संजोए छापरवाल परिवार ने अपनी कला को एक नए आयाम में प्रस्तुत करते हुए अब ग्राहकों तक सीधी पहुंच बनाने की पहल की है। ''मेक माय क्राफ्ट'' के नाम से शुरू किए गए इस फैक्ट्री आउटलेट के जरिए अब चांदी की हस्तनिर्मित ज्वैलरी, आकर्षक फर्नीचर और विविध आर्टिकल्स बिना बिचौलियों के उचित कीमत पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सहेली मार्ग स्थित सहेली पैलेस होटल में इस आउटलेट का शुभारंभ लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ के करकमलों से हुआ।

उद्घाटन के साथ ही शहर के कला प्रेमियों और पर्यटकों के लिए एक नया आकर्षण केंद्र तैयार हो गया है, जहां पारंपरिक शिल्प का आधुनिक प्रस्तुतीकरण देखने को मिलेगा। 'मेक माय क्राफ्ट' निदेशक प्रमोद छापरवाल ने बताया कि अब तक उनका व्यवसाय मुख्यतः बी-टू-बी मॉडल पर आधारित था, जिसके तहत देशभर में सप्लाई और विदेशों में निर्यात किया जाता रहा। लेकिन बदलते समय के साथ उन्होंने ग्राहकों से सीधे जुड़ने का निर्णय लिया, ताकि गुणवत्ता और कीमत दोनों में पारदर्शिता बनी रहे। निदेशक शरद छापरवाल के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य उदयपुर आने वाले देश-विदेश के पर्यटकों को स्थानीय शिल्प से जोड़ना है, जिससे वे असली कारीगरी को नजदीक से समझ सकें और उचित मूल्य पर खरीद सकें। यह प्रयास न केवल ग्राहकों के लिए लाभकारी साबित होगा, बल्कि स्थानीय कारीगरों और उद्योग को भी नई ऊर्जा देगा। संस्थापकों ने बताया कि भविष्य में इस मॉडल को अन्य पर्यटन स्थलों तक विस्तारित करने की योजना है। नाथद्वारा में जल्द ही दूसरा शोरूम शुरू करने की तैयारी भी चल रही है, जिससे इस पारंपरिक विरासत को और व्यापक पहचान मिल सके।

रिपोर्ट/फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'

अक्षय तृतीया पर चमका भरोसा, सोजतिया ज्वेलर्स बना शहरवासियों की पहली पसंद

बढ़ती कीमतों के बीच हल्के वजन और आकर्षक डिजाइनों ने ग्राहकों को किया आकर्षित

उदयपुर. शाबाश इंडिया

अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर शहर में खरीदारी का उत्साह अपने चरम पर रहा, जहां सोना-चांदी खरीदने की परंपरा को निभाने के लिए बड़ी संख्या में लोग बाजारों की ओर उमड़े। इसी कड़ी में सोजतिया ज्वेलर्स पर सुबह से ही ग्राहकों की लगातार भीड़ देखने को मिली, जहां हर वर्ग के लिए खास कलेक्शन ने लोगों का ध्यान खींचा। महंगाई के दौर में भी सोजतिया ज्वेलर्स ने ग्राहकों की उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए अपनी तैयारियों को नया आयाम दिया है। यहां अनुभवी कारीगरों और गहन रिसर्च के आधार पर ऐसी ज्वेलरी तैयार की गई है, जो बजट में फिट बैठने के साथ-साथ आकर्षण में भी प्रभावशाली है। डॉ. महेंद्र सोजतिया के अनुसार, इस बार कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद ग्राहकों को बेहतर विकल्प देने के लिए विशेष रणनीति अपनाई गई है, ताकि हर ग्राहक अपनी पसंद का आभूषण आसानी से चुन सके। उन्होंने बताया कि डिजाइनिंग में नवाचार इस बार का प्रमुख आकर्षण रहा। टीम ने ऐसे हल्के वजन वाले

डिजाइन विकसित किए हैं, जिनमें फैलावट और भव्यता बरकरार रहती है। उदाहरणस्वरूप, जहां पहले 50 ग्राम का हार तैयार होता था, अब उसी लुक को लगभग 40 ग्राम में साकार किया जा रहा है, जिससे कीमत में स्पष्ट राहत मिलती है। डॉ. ध्रुव सोजतिया ने बताया कि ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए वजन और डिजाइन के संतुलन पर विशेष ध्यान दिया गया है। वहीं, 916 हॉलमार्क के साथ 75 हॉलमार्क ज्वेलरी भी ग्राहकों के बीच लोकप्रिय हो रही है, जो मजबूती और किफायत का संतुलित विकल्प प्रदान करती है। नेहल सोजतिया के अनुसार, पारंपरिक जड़ाऊ पोलकी ज्वेलरी को आधुनिक शैली में हल्के वजन के साथ पेश किया गया है, जिससे ग्राहक सीमित बजट में भी शाही अंदाज का आनंद ले सकते हैं।

रिपोर्टः फोटो राकेश शर्मा 'राजदीप'

अक्षय तृतीया पर कमला नगर महिला मंडल का सेवा भाव

महावीर दिगंबर जैन मंदिर में निशुल्क गन्ने के रस का वितरण, दिया सहयोग और परोपकार का संदेश

आगरा. शाबाश इंडिया

अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर कमला नगर स्थित डी-19 महावीर दिगंबर जैन मंदिर में सेवा, समर्पण और धर्मभावना का प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला। कमला नगर महिला मंडल द्वारा भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए श्रद्धालुओं एवं राहगीरों के लिए निःशुल्क गन्ने के रस का वितरण किया गया। मंदिर परिसर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। ठंडे और ताजे गन्ने के रस ने लोगों को गर्मी से राहत प्रदान की, वहीं इस सेवा कार्य की सभी ने सराहना की। इस पुण्य कार्य का शुभारंभ मंजू जैन (पत्नी जेसी जैन) द्वारा प्रथम गन्ना डालकर विधिवत रूप से किया गया, जो आयोजन का विशेष आकर्षण रहा। उनके इस सहयोग की सभी ने प्रशंसा की। कार्यक्रम में महिला मंडल की सदस्याएं—प्रमिला जैन, मीना जैन, शशि जैन, रश्मि गोयल जैन, नीरू जैन, शर्मिला जैन, दीप्ति जैन, शशि सन्मति, पुष्पा जैन, उषा जैन, माधुरी जैन, सुविणा जैन, रेनू गर्ग, इंदु जैन सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं। सभी ने उत्साह और सेवा भाव के साथ गन्ने के रस का वितरण किया। यह आयोजन केवल एक सेवा कार्य ही नहीं, बल्कि समाज में एकता, सहयोग और परोपकार की भावना को सुदृढ़ करने वाला भी रहा। ऐसे आयोजन समाज को सकारात्मक दिशा देने के साथ-साथ धर्म के प्रति आस्था को भी मजबूत करते हैं।

जैन समाज ने अक्षय पुण्य दिवस के रूप में मनाया अक्षय तृतीया पर्व

खेरवाड़ा. शाबाश इंडिया। कस्बे में तहसील रोड स्थित शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, सदर बाजार स्थित नेमिनाथ जिनालय, स्वास्तिक कॉलोनी स्थित आदिनाथ जिनालय तथा महावीर कॉलोनी स्थित शांतिनाथ देवालय में जैन धर्मावलंबियों ने अक्षय तृतीया का पर्व श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर सभी मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना एवं पंचामृत अभिषेक का आयोजन किया गया। दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष रमेश चंद्र कोठारी एवं महामंत्री भूपेंद्र जैन ने बताया कि जैन धर्म में अक्षय तृतीया (इक्षु तृतीया) का विशेष महत्व है। यह दिन प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) के दीर्घकालीन तप के पश्चात पारणा (उपवास का समापन) से जुड़ा हुआ है। इसी दिन हस्तिनापुर के राजा श्रेयांस ने भगवान को इक्षु रस (गन्ने के रस) से आहार कराया था। हुमड़ समाज के अध्यक्ष वीरेंद्र वखारिया एवं मंत्री पंकज जैन ने बताया कि यह पर्व आहारचर्या की परंपरा के प्रारंभ का प्रतीक है, जिसे 'इक्षु तृतीया' के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन किया गया दान, उपवास और तप 'अक्षय' अर्थात कभी समाप्त न होने वाला पुण्य प्रदान करता है। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने मंदिरों में पूजा-अर्चना के साथ शास्त्र दान, औषधि दान तथा साधु-संतों को आहार दान कर पुण्य अर्जित किया। साथ ही भगवान आदिनाथ के त्याग, संयम और तप की प्रेरणा को आत्मसात किया। स्वास्तिक कॉलोनी के वरिष्ठ समाजजन शांतिलाल वखारिया ने बताया कि यह दिन आत्मसंयम, कर्मों के क्षय एवं आध्यात्मिक उन्नति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। जैन परंपरा के अनुसार, राजा श्रेयांस द्वारा भगवान ऋषभदेव को गन्ने के रस का दान दिए जाने से वे 'दान तीर्थ' के प्रवर्तक कहलाए।

लायंस क्लब रीजन-13 की रीजन कॉन्फ्रेंस संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब रीजन-13 की वर्ष 2025-26 की रीजन कॉन्फ्रेंस का आयोजन रीजन चेयरपर्सन डॉ. रेखा जैन के नेतृत्व में भव्य एवं शानदार रूप से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न लायंस क्लबों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डी.जी. सुधीर बाजपेई, आशुतोष वशिष्ठ, राजेंद्र मदान एवं सुमेर जैन उपस्थित रहे। सम्मेलन के दौरान विभिन्न क्लबों द्वारा किए गए सेवा कार्यों एवं गतिविधियों की सराहना की गई। इस अवसर पर लायंस क्लब जयपुर आदर्श नगर की उपस्थिति सर्वाधिक रही तथा अवॉर्ड समारोह में क्लब ने सर्वाधिक पुरस्कार प्राप्त कर विशेष पहचान बनाई। क्लब के अध्यक्ष राजेश पारीक को ''सर्वश्रेष्ठ क्लब'' का पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं, क्लब के सचिव महेंद्र बैराठी को 'सर्वश्रेष्ठ सचिव' एवं 'एम.ओ.सी.' का पुरस्कार दिया गया। इसके साथ ही क्लब को 'सर्वश्रेष्ठ बैनर प्रेजेंटेशन' का अवार्ड भी प्राप्त हुआ। क्लब के अध्यक्ष राजेश पारीक, सचिव महेंद्र बैराठी, कोषाध्यक्ष सी. एम. गर्ग एवं उनकी पूरी टीम को उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर पूरे क्लब परिवार ने हर्ष एवं उत्साह के साथ जश्न मनाया और भविष्य में भी सेवा कार्यों को इसी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

अक्षय तृतीया पर्व पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन

दान का विशेष पर्व: अक्षय तृतीया विषय पर विद्वानों के विचार

जैन धर्म के महापर्व अक्षय तृतीया के उपलक्ष्य में श्री अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन विद्वत परिषद् के तत्वावधान में ''दान का विशेष पर्व: अक्षय तृतीया'' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्वानों ने अपने विचार प्रस्तुत कर पर्व के आध्यात्मिक एवं सामाजिक महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. सतेन्द्र कुमार जैन (जयपुर) द्वारा मंगलाचरण के साथ किया गया। उन्होंने सभी आगंतुक विद्वानों एवं श्रोताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्वत्परिषद् के अध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार जैन (वाराणसी) ने की। वेबिनार में डॉ. ज्योति जैन (खतौली), डॉ. अजेश जैन (रेवाड़ी), डॉ. प्रदीप जैन (दमोह) एवं विद्वत् श्री शिखरचन्द जैन (दिल्ली) ने वक्ता के रूप में अपने विचार रखे। सभी वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में दान की महिमा का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि दान करते समय पात्र, समय और विधि का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। वक्ताओं ने बताया कि अक्षय तृतीया पर्व भगवान आदिनाथ के प्रथम आहार से जुड़ा हुआ है। मान्यता के अनुसार, भगवान आदिनाथ को दीर्घकालीन तप के पश्चात राजा श्रेयांस द्वारा इक्षुरस का आहार प्राप्त हुआ था, जो देवों के प्रभाव से अक्षय माना गया।

चुनाव के इस महत्वपूर्ण दौर में हनुमान शर्मा ने सभी अधिवक्ताओं से आग्रह किया है कि वे बैलेट नंबर 169 पर वोट देकर उन्हें समर्थन दें और बार काउंसिल के भविष्य को सशक्त बनाने में योगदान दें।

बार काउंसिल ऑफ राजस्थान चुनाव 2026

अधिवक्ताओं से हनुमान शर्मा के समर्थन में मतदान की अपील

सदस्य पद के उम्मीदवार हनुमान शर्मा ने अधिवक्ताओं के हितों और युवा वकीलों के विकास को बताया प्राथमिकता

जयपुर। बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के आगामी चुनाव 2026 को लेकर चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में अध्यक्ष पद के उम्मीदवार हनुमान शर्मा (एडवोकेट) ने प्रदेशभर के सभी अधिवक्ताओं से अपील की है कि वे बार काउंसिल के उज्वल भविष्य के लिए अपना अमूल्य मत प्रदान करें।

उम्मीदवार का विवरण

नाम- हनुमान शर्मा (एडवोकेट)
पद- सदस्य
बैलेट नंबर/ 169

प्रमुख संकल्प और वादे

हनुमान शर्मा ने अपने चुनावी अभियान में अधिवक्ताओं के हितों को सर्वोपरि बताते हुए कई महत्वपूर्ण संकल्प रखे हैं-
अधिवक्ताओं के अधिकारों और हितों का संरक्षण
युवा वकीलों के लिए बेहतर सुविधाएं और मार्गदर्शन

बार और बेंच के बीच मजबूत और संतुलित सामंजस्य

चुनावी संदेश

अपने संदेश में उन्होंने कहा- न्याय के प्रहरी, अधिवक्ताओं की शान, हनुमान शर्मा को दें अपना कीमती मतदान। उन्होंने अधिवक्ताओं से भारी मतों से विजयी बनाकर सेवा का अवसर देने की अपील की है।

एकता और विकास पर जोर

यह अपील अधिवक्ता एकता को मजबूत करने और बार काउंसिल के समग्र विकास के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने कहा कि एक मजबूत और संगठित बार ही न्याय व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बना सकता है।

निष्कर्ष

चुनाव के इस महत्वपूर्ण दौर में हनुमान शर्मा ने सभी अधिवक्ताओं से आग्रह किया है कि वे बैलेट नंबर 169 पर वोट देकर उन्हें समर्थन दें और बार काउंसिल के भविष्य को सशक्त बनाने में योगदान दें।

दान दिवस अक्षय तृतीया पर इक्षु रस का वितरण

पोस्टर प्रतियोगिता के साथ ऋषभदेव पखवाड़े का समापन

बामनवास. शाबाश इंडिया। उपखंड क्षेत्र के ज्योति शिक्षण संस्थान सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पिपलाई एवं वर्धमान कोचिंग सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में ऋषभदेव पखवाड़े का समापन विविध कार्यक्रमों के साथ किया गया। इस अवसर पर संस्थान की प्रधानाचार्य कृपा गुर्जर, कोचिंग निदेशक एकता जैन तथा योग शिक्षक रीना गुर्जर एवं नीरज गुर्जर के निर्देशन में पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भगवान ऋषभदेव के जीवन चरित्र पर आधारित आकर्षक पोस्टर बनाकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान प्रबंधक अखलेश गुर्जर ने पोस्टरों का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों की सराहना की। उन्होंने बताया कि अक्षय तृतीया जैन धर्म में सम्यक भाव, सम्यक पात्र और अक्षय पुण्य का प्रतीक है, जो दान दिवस की महत्ता को और अधिक बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि यहां दान केवल वस्तु नहीं, बल्कि आत्मिक समझ और भाव का परिणाम होता है। पोस्टर प्रतियोगिता में तनुजा राय, अनुष्का महावर, मोहम्मद सहवाज खान, प्रिंस मीणा, आईसा बानो, दिया कुमारी महावर, कपिल गुर्जर, शिवम महावर, रिजवाना बानो, अनुष्का गौड़, आयुष खटाना, भूपेश राय, सुमिता मीणा, आर्यन सैनी, धीरज बंजारा, अनम बानो, सना बानो, अन्तिमा राय, अनुष्का खारवाल, आरुषि राय, रितिका सैनी, तनिष्का खारवाल, हरिओम मीणा, अभिजीत सिसोदिया सहित अनेक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

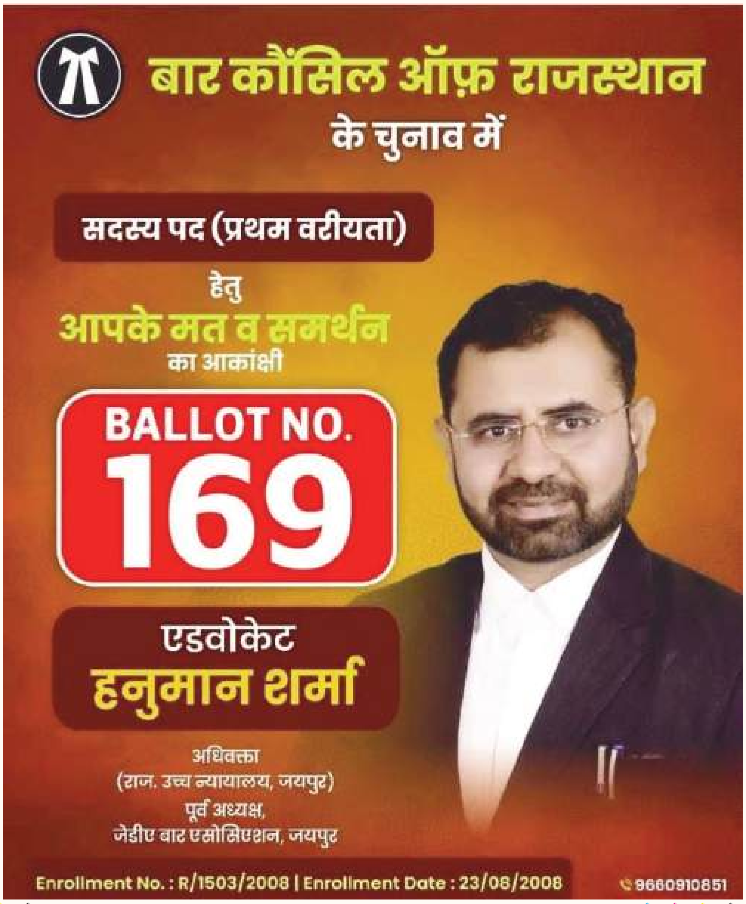

मालवीय नगर के सैक्टर 3 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के बाहर अक्षय तृतीया के दिन आचार्य सुन्दर सागर महाराज को पडगाहन करते हुए श्रद्धालु गण

अक्षय तृतीया महापर्व श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया

इक्षु रस आहार दान की परंपरा का स्मरण, समाज ने किया सेवा कार्य

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) द्वारा दीर्घकालीन तपस्या पूर्ण करने के पश्चात राजा श्रेयांस द्वारा इक्षु रस से आहार दान देने की पावन स्मृति में अक्षय तृतीया महापर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह दिवस दान की परंपरा और अक्षय पुण्य का प्रतीक माना जाता है। श्री दिगंबर जैन समाज के नेतृत्व में, परम पूज्य मुनि श्री 108 धर्मसागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 भावसागर जी मुनिराज के सानिध्य में विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रातःकाल देवाधिदेव भगवान आदिनाथ की प्रतिमा पर भव्य महामस्तकाभिषेक किया गया तथा मुनि श्री के मुखारविंद से बृहद शांतिधारा संपन्न हुई। इसके पश्चात सुबोध-आशा जैन गंगवाल द्वारा संगीतमय पूजन प्रस्तुत किया गया। मुनि श्री ने अपने प्रवचन में कहा कि अक्षय तृतीया जैन धर्मावलंबियों का अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। इस दिन भगवान ऋषभदेव ने दीर्घ तपस्या के पश्चात इक्षु (गन्ने) रस से आहार ग्रहण किया था। राजा श्रेयांस द्वारा दिया गया यह आहार दान अक्षय पुण्य का प्रतीक बना, इसलिए यह तिथि 'अक्षय तृतीया' के रूप में विख्यात हुई। उन्होंने बताया कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य बाहरी सुखों की प्राप्ति नहीं, बल्कि आत्मा की शांति और शुद्धि है। अक्षय तृतीया का संदेश त्याग, तप, संयम और सम्यक आचरण के माध्यम से आत्मोन्नति प्राप्त करना है। भगवान ऋषभदेव का आदर्श जीवन और राजा श्रेयांस की सम्यक भावना यह दशार्ती है कि ज्ञान, श्रद्धा और आचरण के समन्वय से ही धर्म का वास्तविक स्वरूप प्रकट होता है। इस अवसर पर आचार्य विद्यासागर जैन पाठशाला के विद्यार्थियों एवं समाजजनों ने मुनि श्री को नवधा भक्ति के साथ आहार अर्पित किया। बच्चों ने विभिन्न नियमों का संकल्प लिया, जिस पर मुनि श्री ने उन्हें विशेष आशीर्वाद प्रदान किया। पर्व के उपलक्ष्य में जैन समाज द्वारा नगरवासियों के लिए गन्ने के रस का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम के संयोजक मुकेश जैन अजमेरा एवं आनंद जैन पांड्या ने बताया कि भगवान के आहार की खुशी में

इक्षु रस वितरण का यह आयोजन किया गया, जो एक अनूठा एवं प्रेरणादायक प्रयास रहा। साथ ही जीव दया के भाव से गोमाता को चोकर एवं खीरा खिलाकर सेवा कार्य भी किया गया। कार्यक्रम की सफलता में प्रदीप जैन छाबड़ा, निर्मल जैन छाबड़ा, शेफाली जैन कासलीवाल, शानू-नैनी जैन सेठी सहित समाज के उपमंत्री नरेंद्र जैन झांझरी, सह मंत्री राज जैन छाबड़ा, विनोद जैन अजमेरा, दिलीप जैन बाकलीवाल, राजीव जैन छाबड़ा, पीयूष जैन कासलीवाल, संजय जैन गंगवाल, प्रिया जैन पांड्या आदि का सहयोग रहा। मीडिया प्रभारी राजकुमार जैन अजमेरा ने जानकारी दी।

लायन्स क्लब रीजन-13 विशाखा की रीजन कॉन्फ्रेंस 'अन्वय-2026' सफलतापूर्वक संपन्न

जयपुर

लायन्स क्लब रीजन-13 विशाखा, डिस्ट्रिक्ट 3233 E-1 की रीजन कॉन्फ्रेंस 'अन्वय-2026' शनिवार को एम.आई. रोड स्थित होटल ओम टावर में भव्य एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम का आयोजन रीजन चेयरपर्सन एमजेएफ लायन डॉ. रेखा जैन एवं एमजेएफ लायन अशोक जैन के नेतृत्व में किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रांतपाल एमजेएफ लायन सुधीर बाजपेयी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रथम उपप्रांतपाल एमजेएफ लायन डॉ. आशुतोष वशिष्ठ, द्वितीय उपप्रांतपाल एमजेएफ लायन राजेंद्र सिंह मदान, पीएमजीएफ लायन सुमेर जैन, श्रीमती पुष्पा जैन एवं लायन नमिता छाबड़ा सहित कई पूर्व प्रांतपाल शामिल हुए। कार्यक्रम में रीजन-13 विशाखा के सभी 11 क्लबों के अध्यक्षों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वर्षभर में किए गए उत्कृष्ट सेवा कार्यों के लिए सभी क्लबों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए, जिन्हें एमजेएफ लायन डॉ. रेखा जैन द्वारा वितरित किया गया। सम्मान समारोह में श्रेष्ठ क्लब अध्यक्ष का पुरस्कार लायन एस.के. भगवान, श्रेष्ठ सचिव का पुरस्कार लायन महेंद्र बैराठी एवं श्रेष्ठ कोषाध्यक्ष का पुरस्कार लायन दीपचंद जैन को प्रदान किया गया। 'श्रेष्ठ क्लब' का सम्मान लायन्स क्लब जयपुर आदर्श नगर को मिला, जबकि 'उभरता क्लब' का पुरस्कार

सनशाइन क्लब को प्रदान किया गया। 'उभरता सितारा' के रूप में श्रीमती पूनम लश्करी को सम्मानित किया गया। वहीं लायन अनुपम जैन को प्रशंसा पुरस्कार से नवाजा गया। कार्यक्रम का संचालन पीएमजेएफ लायन शंकर सिंह खंगारोट एवं लायन महेंद्र बैराठी ने किया। इस दौरान सभी जोन चेयरपर्सनों ने अपने-अपने जोन के सामाजिक एवं सेवा कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सभी क्लबों द्वारा बैनर प्रस्तुतीकरण आकर्षण का केंद्र रहा, जिसमें जोशीले गीतों एवं ध्येय वाक्यों के माध्यम से क्लबों की गतिविधियों को प्रस्तुत किया गया। रुद्राक्ष अग्रवाल ने अपनी मधुर गायन प्रस्तुति से कार्यक्रम को और भी रोचक बना दिया। अंत

में लायन्स क्लब जयपुर मेन के एमजेएफ लायन अशोक जैन कोटलर ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभिन्न क्लबों के सदस्य एवं शहर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

राजस्थान विश्वविद्यालय में हिप्नोथेरेपी पर कार्यशाला आयोजित

आधुनिक मनोवैज्ञानिक उपचार में उपयोगिता पर हुआ विस्तृत विमर्श

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग में सोमवार को हिप्नोथेरेपी विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार के मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार जैन ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को हिप्नोथेरेपी और आधुनिक मनोवैज्ञानिक उपचार पद्धतियों में उसकी बढ़ती उपयोगिता से परिचित कराना था। कार्यक्रम का आयोजन मनोविज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. प्रेरणा पुरी के निर्देशन में किया गया, जिसमें संकाय सदस्यों एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर प्रो. संध्या मोहंती, प्रो. एस.सी. प्रसाद, प्रो. मंजु मेहता एवं प्रो. तजेंद्र कौर भी उपस्थित रहीं। सत्र के दौरान प्रो. राकेश कुमार जैन ने हिप्नोथेरेपी को एक प्रभावी उपचार पद्धति के रूप में प्रस्तुत करते हुए बताया कि यह एकाग्रता और सुझाव के माध्यम से व्यवहार एवं संज्ञानात्मक परिवर्तन लाने में सहायक होती है। उन्होंने इसके सैद्धांतिक आधार को पावलोवियन कंडीशनिंग, ऑपेरेंट कंडीशनिंग तथा अवॉयडेंस व्यवहार जैसे सिद्धांतों के माध्यम से स्पष्ट किया, विशेषकर चिंता एवं फोबिया के संदर्भ में। कार्यशाला में फ्लडिंग, रैपिड एक्सपोजर, सिस्टेमैटिक डीसेंसिटाइजेशन एवं ग्रेजुएटेड एक्सपोजर जैसी तकनीकों को उदाहरणों सहित समझाया गया, जिनके माध्यम से सामान्य फोबिया से जुड़ी प्रतिक्रियाओं को नियंत्रित किया जा सकता है। वक्ता ने यह भी बताया कि कई बार चिंता वास्तविक परिस्थिति से अधिक उसके संभावित परिणामों की कल्पना के कारण उत्पन्न होती है। ऐसे में प्रभावी उपचार के लिए व्यक्ति की संज्ञानात्मक व्याख्या (कॉग्निटिव एप्रेजल) में परिवर्तन आवश्यक होता है। सत्र में इवान पावलोव के योगदान, गेस्टाल्ट सिद्धांत जैसे 'क्लोजर' तथा थेरेपी में नियमित अभ्यास और फॉलो-अप के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। यह कार्यशाला छात्रों के लिए हिप्नोथेरेपी को पारंपरिक मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों के साथ समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हुई। अंत में प्रो. प्रेरणा पुरी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

लगातार भावना से सोचा गया कार्य अवश्य सफल होता है: आचार्य वर्धमान सागर

जयपुर मीरामार्ग में चातुर्मास हेतु आचार्य वर्धमान सागर महाराज को श्रीफल भेंट

जयपुर. शाबाश इंडिया। वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाधीश आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर महाराज ससंघ (35 पिच्छिका) को वर्ष 2026 के चातुर्मास हेतु जयपुर के मीरा मार्ग, मानसरोवर स्थित श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान होने के लिए सकल दिगंबर जैन समाज, जयपुर द्वारा श्रीफल भेंट कर विनम्र निवेदन किया गया। इस अवसर पर मीरामार्ग मंदिर प्रबंधकारिणी समिति सहित जयपुर के विभिन्न मंदिरों, संस्थाओं एवं क्षेत्रों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। सोमवार को श्याम नगर स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य श्री के सानिध्य में आयोजित धर्मसभा के दौरान मीरामार्ग मंदिर की ओर से प्राचार्य शीतलचंद जैन, समिति अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेंद्र सेठी के नेतृत्व में समाजजनों ने उत्साहपूर्वक श्रीफल अर्पित किया। श्रद्धालुओं ने आचार्य श्री से निवेदन किया कि यदि उनके पुण्य प्रताप से आचार्य श्री का चातुर्मास जयपुर के मीरा मार्ग स्थित दिगंबर जैन मंदिर में होता है, तो यह पूरे जयपुर जैन समाज के लिए सौभाग्य का विषय होगा तथा क्षेत्र में धर्म की गंगा प्रवाहित होगी। इस अवसर पर प्राचार्य शीतल प्रसाद जैन, श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया, मंत्री राजेंद्र सेठी, उपाध्यक्ष जम्बू सोगानी, समाजश्रेष्ठी सुरेश सबलावत, कमल चांदवाड़, अशोक जैन, सुनील बख्शी, विनोद जैन (कोटखावदा), मनीष बैद, राजकुमार सेठी, प्रदीप चूड़ीवाल, पवन बज, अरुण जैन, शांति विजय गंगवाल, अशोक छाबड़ा, सुशीला रावकां, रश्मि सांगानेरिया, लोकेन्द्र पाटनी, लक्ष्मी विजय गंगवाल, राजेंद्र सोनी सहित श्री आदिनाथ महिला जागृति समिति, श्री आदिनाथ युवा मंडल, श्री विद्यासागर पाठशाला, मीरा मार्ग, मानसरोवर क्षेत्र तथा शहर के विभिन्न मंदिरों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। अपने प्रवचन में आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने कहा कि निरंतर भावना रखने से सोचा गया कार्य अवश्य सफल होता है। उन्होंने कहा कि शहरों के विस्तार के साथ जयपुर भी परकोटे से बाहर लगभग 20-30 किलोमीटर तक फैल चुका है। मानसरोवर क्षेत्र में जैन समाज का बड़ा वर्ग निवास करता है और समाजजनों की भावना एवं उत्साह को देखकर प्रतीत होता है कि उनके प्रयास अवश्य सफल होंगे। आचार्य श्री के इस संदेश पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

अक्षय तृतीया पर जरूरतमंदों को भोजन, पक्षियों हेतु दाना एवं गोमाता सेवा के कार्य संपन्न

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। सकल जैन समाज कुचामन के सहयोग से श्री जैन वीर मंडल के तत्वावधान में अक्षय तृतीया पर्व श्रद्धा एवं सेवा भाव के साथ मनाया गया। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ (ऋषभदेव) द्वारा दीर्घकालीन तप के पश्चात राजा श्रेयांस द्वारा आहार ग्रहण कराने की पावन स्मृति में इस दिवस को तप, त्याग, संयम एवं दान दिवस के रूप में मनाया गया। सोभागमल गंगवाल एवं देवेंद्र पहाड़िया ने जानकारी देते हुए बताया कि उपाध्याय मुनि श्री 108 विकसंत सागर जी महाराज के संघ के आशीर्वाद से दिनांक 20 अप्रैल 2026, सोमवार को विभिन्न सेवा कार्य आयोजित किए गए। प्रातः 7:30 बजे कुचामन गोशाला, 8:00 बजे शाकम्भरी माता गोशाला एवं 9:00 बजे समरीयासागर बालाजी गोशाला में गोमाता को हरा चारा (रीजका), गुड़ एवं जल की व्यवस्था कर गोसेवा की गई। इसके साथ ही पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था भी की गई। इसके पश्चात प्रातः 9:30 बजे तथा सायंकाल अन्नपूर्णा रसोई में 201 जरूरतमंद व्यक्तियों को भोजन एवं मिठाई वितरित की गई। वहीं 11:30 बजे ह्णअपना घरह्ण में निवासरत बीमार, लाचार एवं असहाय जनों को अल्पाहार, दोनों समय का भोजन, मिठाई, दवाइयां तथा रात्रि में दूध उपलब्ध कराया गया। साथ ही संपर्क संस्थान में मूक-बधिर बच्चों को भी अल्पाहार एवं भोजन कराकर सेवा कार्य किया गया। इन सेवा कार्यों में सोभागमल, सुभाषचंद गंगवाल, देवेंद्र कुमार, अजीत कुमार पहाड़िया, अशोक कुमार, विनोद कुमार, नरेश कुमार झांझरी, प्रदीप काला, अशोक अजमेरा, पवन कुमार गोधा, अशोक कुमार गोधा एवं रवि भार्गव सहित अनेक समाजबंधुओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। अशोक झांझरी एवं अशोक अजमेरा ने बताया कि इन सेवा कार्यों में पुण्यार्जक परिवारों में स्व. शांति देवी-धर्मचंद छाबड़ा परिवार, नीलम-अनिल बज परिवार, भानुकुमार-अजीत पांड्या परिवार, गोपालचंद-अजीत परिवार, पारसमल-पंकज पहाड़िया परिवार तथा जीवदया सेवा समिति ट्रस्ट के कमलकुमार (पुत्र स्व. धर्मचंद पांड्या) परिवार का विशेष सहयोग रहा। अंत में सचिव सुभाष पहाड़िया ने सभी पुण्यार्जक परिवारों का आभार व्यक्त करते हुए साधुवाद ज्ञापित किया।

होम्योपैथिक क्लिनिक की 25वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन

मीठी गोलियों से 25 वर्षों में लाखों लोगों को मिली उम्मीद

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन महिला मंडल द्वारा 18 अप्रैल 2026 को जैन निकेतन, भद्रबाहु सभागार में होम्योपैथिक क्लिनिक की 25वीं वर्षगांठ का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती प्रेमा नाहटा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्री गणेश जी के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। अध्यक्ष प्रेमा नाहटा ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों का अभिनंदन किया तथा होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के महत्व पर प्रकाश डाला। इस पावन अवसर पर जैन संत परंपरा का दिव्य सान्निध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ। पूज्या साध्वी श्री शिलापीजी महाराज साहब एवं साध्वी सुमेधा जी के सान्निध्य ने कार्यक्रम को आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान की। साथ ही मुनि श्री 108 सम्बुद्ध सागर जी महाराज का आशीर्वाद संदेश, आचार्य श्री महाश्रमण जी का मौखिक संदेश एवं आचार्य पुलक सागर जी का मंगल संदेश प्राप्त हुआ, जिसने पूरे आयोजन को ऊर्जा, श्रद्धा और प्रेरणा से ओतप्रोत कर दिया। कार्यक्रम के दौरान मंडल की बालिकाओं कुमारी चेतना सिंघी एवं कुमारी ऐश्वर्य कोचर ने सुंदर नमोकार नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर डॉ. अंबिका गिवाली, डॉ. अरविंद झा एवं डॉ. तिलकमान का माला एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया। साथ ही नर्स श्रीमती उर्मिला श्रेष्ठा एवं ज्योति होम्योपैथी फार्मेसी को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अन्य समाजों के अध्यक्षों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए

जैन महिला मंडल के इस सेवा कार्य की सराहना की और शुभकामनाएं दीं। साथ ही होम्योपैथी के महत्व एवं लाभों पर आधारित एक प्रेरणादायक डॉक्यूमेंट्री भी प्रदर्शित की गई। होम्योपैथिक क्लिनिक की पूर्व संयोजिकाओं—श्रीमती सरोज दुगड़, सुमन नौलखा, नीलकमल दुगड़, सुजाता मेहता, समता भूटोरिया, माला गोलछा, रेखा लूनिया एवं बिमला पारख—का सम्मान कर उनके योगदान को सराहा गया। मंडल की सदस्यों द्वारा होम्योपैथी एवं एलोपैथी पर एक ज्ञानवर्धक वाद-विवाद प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही होम्योपैथिक चिकित्सा से

लाभान्वित लोगों ने अपने अनुभव साझा किए, जो अत्यंत प्रेरणादायक रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन श्रीमती बिमला पारख एवं श्रीमती अंकिता भंसाली द्वारा किया गया। अंत में महासचिव श्रीमती प्रमिला कुचेरीया ने सभी अतिथियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान ''सबसे बड़ा दान—औषधि दान'' का संदेश भी दिया गया। मंडल की सभी सदस्याओं ने सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना से योगदान दिया, जिसकी सभी ने सराहना की।

धूमधाम से मनाया आचार्य प्रज्ञासागर महाराज का 38वां दीक्षा दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री प्रज्ञासागर जी महाराज का 38वां दीक्षा दिवस जवाहर नगर स्थित एमपीएस स्कूल के तक्षशिला सभागार में भव्य एवं श्रद्धापूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर देशभर से बड़ी संख्या में गुरुभक्त उपस्थित हुए और आचार्य श्री के जीवन पर आधारित नृत्य-नाटिका देखकर भाव-विभोर हो उठे। मंदिर समिति के अध्यक्ष महेंद्र बक्शी एवं सचिव अजय गोधा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत जवाहर मंदिर में जनाभिषेक के साथ हुई। इसके पश्चात अष्टद्रव्य से संगीतमय गुरु पूजा का आयोजन किया गया। भजनों की मधुर स्वर लहरियों से पूरा वातावरण भक्ति एवं आस्था से ओतप्रोत हो गया। दोपहर में जैन भवन से गाजे-बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें देशभर से आए श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शोभायात्रा के साथ आचार्य श्री को जवाहर नगर सेक्टर-4 स्थित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के तक्षशिला ऑडिटोरियम तक लाया गया। यहां आयोजित मुख्य समारोह में गुरु भक्तों द्वारा चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन, जिनवाणी भेंट एवं संगीतमय पूजा जैसे विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण इंदौर के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत ''यात्रा संत की'' शीर्षक भव्य नृत्य-नाटिका रही, जिसमें आचार्य श्री के जीवन की यात्रा को बाल्यावस्था से वर्तमान तक अत्यंत प्रभावशाली एवं भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया गया। इस प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को भाव-विभोर कर दिया। इस अवसर पर जयपुर सहित विभिन्न स्थानों से पधारे श्रद्धालुओं एवं उपासकों ने आचार्य श्री को शास्त्र भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। साथ ही सभी भक्तों ने विनम्र भाव से जयपुर में चातुर्मास करने का निवेदन करते हुए श्रीफल अर्पित किया। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व आचार्य श्री ने वर्ष 2009 में जयपुर में चातुर्मास किया था।

दुर्गापुरा जैन मंदिर

36 साल के इतिहास में पहली बार निर्विरोध चुनी गई कार्यकारिणी

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट चंद्रप्रभ जी, दुर्गापुरा के 36 साल के इतिहास में पहली बार त्रिवार्षिक चुनाव (सत्र 2026-29) निर्विरोध संपन्न हुए। मुख्य चुनाव अधिकारी अमर चंद जैन ने बताया कि सर्वसम्मति से प्रकाश चंद जैन चांदवाड़ को अध्यक्ष और राजेंद्र कुमार जैन काला को मंत्री चुना गया है। अन्य पदाधिकारियों में नरेश कुमार जैन बाकलीवाल व सुनील कुमार जैन संघही (उपाध्यक्ष), रमेश चंद जैन छाबड़ा (संयुक्त मंत्री), विमल कुमार जैन गंगवाल (कोषाध्यक्ष), श्रीमती रेखा जैन पाटनी (सांस्कृतिक मंत्री), मनीष जैन सेठी (प्रचार-प्रसार मंत्री), संजय जैन सोगाणी (संगठन मंत्री) और विमल चंद जैन बड़जात्या (त्यागी व्रती व्यवस्था मंत्री) निर्वाचित हुए। इसके साथ ही आनंद जैन अजमेरा, बाल चंद जैन बिलाला और भारत भूषण जैन सहित 9 सदस्यों को कार्यकारिणी में शामिल किया गया है। मंदिर समाज ने इस निर्विरोध निर्वाचन को सामुदायिक एकता और विकास के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया है।